वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 217 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, रविवार 23 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

युवाओं को 'जॉब सीकर' नहीं, 'जॉब क्रिएटर' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय वर्ल्ड लीडर्स फोरम में वैश्विक आर्थिक जगत की प्रमुख हस्तियों के समक्ष छत्तीसगढ़ की तेजी से बदलती आर्थिक तस्वीर, निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य के विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपनी पारंपरिक औद्योगिक और खनिज आधारित पहचान से आगे बढ़कर युवा शक्ति, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, ग्रीन एनर्जी और आधुनिक विनिर्माण पर आधारित नई अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बड़े निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि निवेश को रोजगार, उद्यमिता, बेहतर आय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना है। छत्तीसगढ़ के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले न रहें, बल्कि अपने नवाचार और उद्यमिता के बल पर दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें, इसी सोच के साथ राज्य की नीतियों और योजनाओं को नया स्वरूप दिया जा रहा है। फोरम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन सहित भारत और विश्व की अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हो रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 6.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आर्थिक वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत रही है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए विकास और जनकल्याण को समान प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के 1.72 लाख करोड़ रुपये के बजट में अधोसंरचना निर्माण, पूंजीगत व्यय और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सड़क, रेल, ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक अधोसंरचना को मजबूत कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

SHORT NEWS

छतीसगढ़ में समान नागरिक संहिता के प्रारूप पर मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने और इसका प्रारूप तैयार करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। शासन द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की उपस्थिति में आगामी 27 अगस्त 2026 को राजधानी के कन्वेंशन हॉल, न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन, रायपुर में एक राज्य स्तरीय परिचयात्मक बैठक आयोजित की जा रही है। इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर व्यापक विचार-विमर्श करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 200 प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीक : मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। पावन श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से मुलाकात कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली और सभी श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति, तपस्या और समर्पण की यात्रा है। भगवान शिव के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास इस यात्रा में दिखाई देता है। कांवड़ यात्री कठिन परिस्थितियों और लंबी दूरी की चुनौतियों के बावजूद पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ अपनी यात्रा पूरी करते हैं। यह यात्रा श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक ऊर्जा और भगवान भोलेनाथ के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है।

उन्होंने कांवड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए भगवान भोलेनाथ से सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं सफल होने की कामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ सभी कांवड़ यात्रियों पर अपनी कृपा बनाए रखें और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर बढ़ रहे कांवड़ यात्रियों में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ कांवड़ लेकर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत, सेवा और सत्कार भी किया जा रहा है।

आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाई देने के लिए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयास अब सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर मंत्री श्री वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की।

मुलाकात के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की महत्ता और स्थानीय विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न पहलुओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने प्रक्रिया को गति देते हुए जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आश्वस्त किया कि इस विषय पर जल्द ही आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री के इस आश्वासन से जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

मंत्री वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर केंद्र सरकार के स्तर पर बेहद सकारात्मक चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी जी द्वारा जल्द निर्णय लेने का आश्वासन मिलना पूरे जिले के लिए सुखद और उत्साहजनक है।

मंत्री राजवाड़े ने दिव्यांगजनों को वितरित किए व्हीलचेयर एवं सहायक उपकरण

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज बलरामपुर संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में 6 दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण एवं सामग्री वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनके स्वास्थ्य, दैनिक जीवन की आवश्यकताओं और सामने आ रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी ली।

मंत्री राजवाड़े ने सौनी निवासी धनेश्वर सोनी को बैसाखी, भनौरा निवासी निशांत पैकरा एवं बड़की महरी निवासी महिमा दास को व्हीलचेयर, भनौरा निवासी श्री गौरीशंकर एवं फनु सिंह को स्टिक तथा सौनी निवासी ममता पाल को स्मार्टफोन प्रदान किया।

सहायक उपकरण प्राप्त होने पर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। इन उपकरणों से दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही दैनिक जीवन के कार्यों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मदद मिलेगी। राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक शासन की योजनाओं और सहायक उपकरणों का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

छत्तीसगढ़ सरकार का नया फैसला! अब अफसर-कर्मचारियों को मिलेगी 'आर्ट ऑफ लिविंग' की ट्रेनिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग को शामिल किया है। अब सरकारी कर्मचारियों को काम के तनाव से निपटने और बेहतर तरीके से काम करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें योग, प्राणायाम और ध्यान के साथ तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने जैसे विषयों पर फोकस रहेगा। सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों की कार्यक्षमता और मानसिक संतुलन को बेहतर बनाना है। प्रशिक्षण से जुड़ा पूरा खर्च संबंधित विभाग अपने निर्धारित प्रशिक्षण बजट से वहन करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य की विभिन्न प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थाओं को आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए अधिकृत किया है। इनमें छत्तीसगढ़ शासन अकादमी, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और लेखा प्रशिक्षण शाला शामिल हैं। ये संस्थाएं संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित कर सकेंगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण पर होने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग अपने प्रशिक्षण बजट से करेंगे। विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अधिकृत प्रशिक्षण संस्थाओं के माध्यम से यह कार्यक्रम आयोजित करा सकेंगे।

सिर्फ योग नहीं, व्यवहार और नेतृत्व पर भी फोकस

प्रशिक्षण को केवल योगाभ्यास तक सीमित नहीं रखा गया है। इसका उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों को काम के दबाव, व्यक्तिगत चुनौतियों और तनाव से निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाना है। तनाव, चिंता और नकारात्मकता को कम करने के साथ शांत और संतुलित मन विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा।

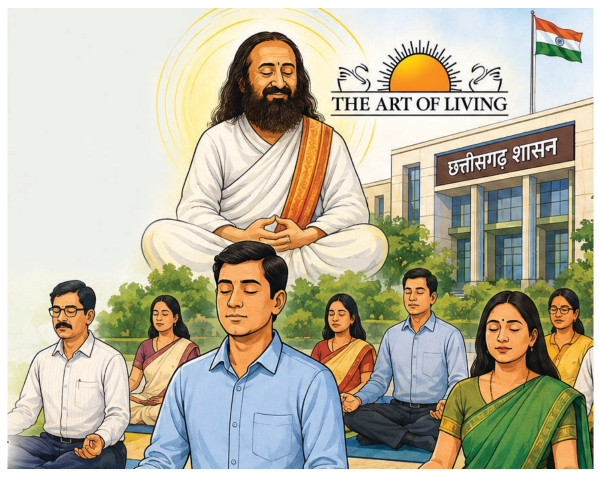

योग, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास

कार्यक्रम में रोजाना किए जा सकने वाले छोटे और मध्यम स्तर के योग अभ्यास शामिल होंगे। इसके अलावा प्राणायाम, ध्यान, सांसों के नियमन, एकाग्रता और तनाव कम करने की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। आर्ट ऑफ लिविंग की प्रमुख श्वसन तकनीक सुदर्शन क्रिया भी प्रशिक्षण का हिस्सा होगी।

खनन प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार में वैज्ञानिक वानिकी को सर्वोच्च प्राथमिकता : वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर। खनिज संसाधनों के उपयोग के बाद वन भूमि को उसकी प्राकृतिक पहचान लौटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। खनन समाप्त होने के बाद केवल पौधे लगा देना ही वन भूमि का पुनरुद्धार नहीं है, बल्कि उसे वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित कर पुनः एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के वन व जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान एनटीपीसी के प्रशासनिक भवन में सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों के प्रतिनिधियों तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में वन संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम के प्रावधानों और स्वीकृत शर्तों के अनुरूप खनन एवं परियोजनाओं से प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार के सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (लैंड मैनेजमेंट) सुनील मिश्रा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, हिंडालको, एसईसीएल, एनटीपीसी, बालको, अडानी सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी औद्योगिक एवं खनन उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए। विकास के लिए संसाधनों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ प्रकृति को हुई क्षति की भरपाई और वन भूमि को पुनः स्वस्थ स्वरूप प्रदान करना भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी तकनीकी एवं व्यावहारिक दिशा-निर्देशों को सभी संबंधित कंपनियों एवं अधिकारियों को इनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कश्यप ने कहा कि वन भूमि केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि जैव विविधता, वन्यजीवों, जल स्रोतों और स्थानीय समुदायों के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।

विकसित भारत-जी राम जी एवं पीएम आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर। सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की संभागस्तरीय समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव एवं विकसित भारत-जी राम जी के अपर आयुक्त श्री एस. आलोक ने जिलेवार आबंटित लक्ष्यों एवं प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभागायुक्त दुग्गा ने कहा कि सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति क्षेत्र है और यहां शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

दशगात्र कार्यक्रम में भोजन के बाद अस्वस्थ हुए सभी लोगों की स्थिति सामान्य, अस्पताल से डिस्चार्ज

जांजगीर-चांपा। राहौद में दशगात्र कार्यक्रम के दौरान भोजन करने के बाद 10 लोग अस्वस्थ हो गए थे। सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राहौद में भर्ती कराया गया। इनमें से दो लोगों की स्थिति अधिक खराब होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पामगढ़ रेफर किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी पामगढ़ आर के तम्बोली ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर 21 अगस्त को विकासखंड चिकित्सा अधिकारी पामगढ़ एवं तहसीलदार राहौद ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। चिकित्सकों द्वारा सभी प्रभावित लोगों का आवश्यक उपचार किया गया। उपचार के बाद सभी की स्थिति सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अधिकारियों द्वारा प्रभावित परिवार के निवास स्थल का भी निरीक्षण किया गया। संबंधित होटल में आवश्यक जांच के लिए खाद्य निरीक्षक पामगढ़ को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उपयोग किए जा रहे पानी की जांच एवं आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन कर जल को कीटाणुरहित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए गए हैं। वर्तमान में सभी प्रभावित लोगों की स्थिति सामान्य है।

कोटमी सोनार अंडरब्रिज का अंधेरा दूर, रोशन हुआ अंडरब्रिज

जांजगीर चांपा। अकलतरा रेलवे स्टेशन अंतर्गत कोटमी सोनार में बना अंडरब्रिज निर्माण के समय से ही अंधेरे में रहता था। रात के समय यहां से आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

समस्या को देखते हुए नवपदस्थ सहायता केंद्र कोटमी सोनार के प्रभारी विनोद जाटवर ने डीआरएम रेलवे को पत्र लिखकर अंडरब्रिज में लाइट लगाने का आग्रह किया।

रेलवे प्रशासन ने मांग को स्वीकृति देते हुए अंडरब्रिज में हैलोजन लाइट लगवा दी है। लाइट लगने के बाद अब अंडरब्रिज रोशन हो गया है और रात में आने-जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने अंडरब्रिज में प्रकाश व्यवस्था किए जाने पर खुशी जताई है।

बलौदाबाजार में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की उम्मीद बढ़ी, जल्द होगा निर्णय

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की दिशा में उम्मीदें अब और मजबूत हुई हैं। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाते हुए स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान मंत्री टंकराम वर्मा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जिले में केंद्रीय विद्यालय की आवश्यकता और स्थानीय विद्यार्थियों के सामने बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं को लेकर आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने विषय पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द आवश्यक निर्णय लिए जाने का आश्वासन दिया। इससे जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की उम्मीद और मजबूत हुई है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे बेहतर शैक्षणिक अवसर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता रही है। वर्तमान में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के लिए विद्यार्थियों को बड़े शहरों और जिलों की ओर रुख करना पड़ता है। केंद्रीय विद्यालय शुरू होने से स्थानीय विद्यार्थियों को अपने ही जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। राज्य सरकार की ओर से विद्यालय संचालन के लिए अस्थायी भवन की व्यवस्था के साथ भविष्य में स्थायी भवन निर्माण के लिए भूमि चिन्हित कर आरक्षित करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा चुकी है। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रयास उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के प्रयासों से बलौदाबाजार में शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर और बेहतर सुविधाएं विकसित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

वार्ड क्रमांक 8 में धूमधाम से मनाया गया हरियाली तीज मिलन का कार्यक्रम

कुम्हारी। न्यू शान्ति नगर वार्ड क्रमांक 8 में महिला मंडल के तत्वावधान में हरियाली तीज मिलन समारोह का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर तीज के गीतों, झूला और मेहंदी के साथ पर्व का आनंद लिया। वातावरण पूरी तरह हरियाली और भक्ति में सराबोर रहा। महिला मंडल की अध्यक्ष और सदस्यों ने बताया कि तीज का त्योहार महिलाओं के सौभाग्य, सुख-समृद्धि और आपसी एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर निधी राजपूत, श्रद्धा वर्मा, संगीता द्विवेदी, सुरभि द्विवेदी, प्रिया वर्मा, अनीता वर्मा, जागेश्वरी, माया साहू, लक्ष्मी साहू, गुड्डी वर्मा, पूजा वर्मा, वर्षा वर्मा, कीर्ति वर्मा, रिया सिन्हा एवं सीमा सेन सहित कुल 15 महिलाओं ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की बधाई दी और प्रसाद वितरण किया गया।

बहेराडीह के बिहान की दीदियों का अनूठा नवाचार

जांजगीर-चांपा। बहेराडीह में स्थित देश का पहला किसान स्कूल, जहाँ बिहान की दीदियों ने छत्तीसगढ़ की 36 भाजियो के रेशे और बीज से राखी बनाकर कृषि तथा आजीविका गतिविधियों में नवाचार की मिसाल पेश किया है। इस सम्बन्ध में गंगे मईय्या स्व सहायता समूह बहेराडीह के सचिव व पशु सखी पुष्पा यादव ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत बिहान के डीएमएम उपेंद्र कुमार दुबे, रेशमलाल नामदेव व बलौदा जनपद बिहान के बीपीएम प्रियंका देवांगन के मार्गदर्शन में बहेराडीह में स्थित वरिष्ठ पत्रकार कुंजबिहारी साहू किसान स्कूल में बिहान की दीदियों के सहयोग से छत्तीसगढ़ के 36 भाजियो के रेशे तथा उनके बीजों से रंग बिरंगी आकर्षक राखियाँ बनाई जा रहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी यहाँ की दीदियों ने आपस में मिलकर साग भाजी और फल फूल के प्राकृतिक रेशे तथा देशी बीजों से रंग बिरंगी आकर्षक हर्बल राखियाँ बनाई थीं। पिछले साल की भांति इस साल भी बहेराडीह के बिहान की दीदियों द्वारा बनाई गई हर्बल राखी को कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने दीदियों के उत्साहवर्धन हेतू राखी खरीद कर बोहनी किया था। इस साल भी कलेक्टोरेट में जिला पंचायत के तत्वाधान में बलौदा ब्लॉक के रसौटा गांव के सक्रीय महिला सुनीता समेत बहेराडीह के गंगे मईय्या स्व सहायता समूह के सचिव व पशु सखी पुष्पा यादव, सिवनी के कृषि सखी रूखमणी पांडेय, पशु सखी लता श्रीवास और सरिता भारद्वाज ,नवागढ़ ब्लॉक के सुकली नंदनी बघेल द्वारा धान, चावल और छत्तीसगढ़ के 36 भाजियों के प्राकृतिक रेशे तथा देशी बीजों से बनाई गई रंग बिरंगी आकर्षक राखियों का स्टॉल लगाई गई थी। स्टॉल में पहली खरीदी कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने किया। तीन जिले के दीदियों का मिला समर्थन, बहेराडीह में स्थित देश के पहला किसान स्कूल में बिहान की दीदियों द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार को अपनाते हुये सामान्यत: अनुपयोगी समझे जाने वाले पौधों के अवशेष को हस्तशिल्प में बदलकर दुनिया को पर्यावरणीय सन्देश दें रहीं हैं।

सुरेगांव पुलिस की ईमानदारी : सड़क पर मिले 60,500 रुपए लौटाए मालिक को

बालोद। छत्तीसगढ़ पुलिस की ईमानदारी की एक मिसाल सुरेगांव में देखने को मिली। ड्यूटी पर जाते समय थाना सुरेगांव के आरक्षक अरविंद दोहरे एवं वरुण कुर्रे को आईटीआई सुरेगांव के पास रास्ते में 60,500 रुपए (साठ हजार पांच सौ) पड़े मिले।

दिनांक 21 अगस्त 2026, शुक्रवार को दोनों जवानों ने मानवता और कर्तव्य का परिचय देते हुए पैसे को अपने पास सुरक्षित रखा और उसके मालिक की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि उक्त राशि ग्राम खुर्सीपार, थाना बालोद निवासी टूमन लाल निर्मलकर की है, जो रास्ते में गिर गई थी।

पुलिस ने टूमन लाल को थाना सुरेगांव बुलाकर सत्यापन के बाद पूरी राशि वापस लौटा दी। अपना खोया हुआ पैसा वापस पाकर टूमन लाल ने प्रसन्नता जताई और थाना प्रभारी नरेंद्र दुबे तथा थाना सुरेगांव के समस्त स्टाफ को धन्यवाद व बधाई दी।

इस ईमानदार कार्य से क्षेत्र में सुरेगांव पुलिस की सराहना हो रही है।

शहीद गैंदसिंह नायक शासकीय महाविद्यालय में अजीम प्रेम जी फाउंडेशन छात्रवृत्ति पर कार्यशाला का आयोजन

बालोद। शहीद गैंदसिंह नायक शासकीय महाविद्यालय मंगचुआ में छात्रवृत्ति प्रकोष्ठ द्वारा अजीम प्रेम जी फाउंडेशन छात्रवृत्ति योजना पर छात्राओं के लिए कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को किया गया। महाविद्यालय के नोडल अधिकारी एस पी नायक छात्रों को पावर प्वाइंट के माध्यम से इस छात्रवृत्ति की विशेषताओं एवं प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ के शासकीय महाविद्यालयों में प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को अपना भविष्य संवारने का सुनहरा अवसर अजीम प्रेम जी फाउंडेशन एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छात्रवृत्ति के रूप में दिया जा रहा है। यह छात्रवृत्ति सभी वर्गों की छात्राओं के लिए है एवं इसकी अंतिम तिथि 31अगस्त 26 है। 2026-27 के लिए केवल छात्राएँ पात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा सरकारी विद्यालय से उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कॉलेज में डिप्लोमा अथवा स्नातक (त्र) डिग्री के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया हो। आवेदन के लिए छात्रा का पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, आधार कार्ड, कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, कॉलेज में प्रवेश का प्रमाण-पत्र (**Admission/College Enrollment Proof**) तथा बैंक खाते का विवरण आवश्यक होगा। पात्र छात्राएँ अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर **Register New Applicants** के माध्यम से पंजीयन कर सकती हैं, **OTP** द्वारा मोबाइल नंबर सत्यापित करने के पश्चात आवश्यक जानकारी भरकर दस्तावेज अपलोड करें और आवेदन को अंतिम रूप से सबमिट करें। आवेदन निर्धारित अवधि में ऑनलाइन किया जाना आवश्यक है। छात्रवृति की राशि 30,000, तीस हजार रुपए सालाना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अमृता कस्तूरे द्वारा इस छात्रवृत्ति हेतु एक समिति का गठन कर दिया गया है जिस से सभी छात्राएं महाविद्यालय में संबंधित प्राध्यापकों से मिलकर आवेदन कर सकती है। उन्हें बाहर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने मंगचुआ के आस पास के सभी ग्रामीण क्षेत्रों से बारहवीं उत्तीर्ण छात्राओं को अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश लेने का आग्रह किया ताकि प्रवेश के साथ ही उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके। पोषक शाला की छात्राओं से भी सघन संपर्क किया जा रहा है।आस पास के ग्राम पंचायतों के माध्यम से सूचना भी दी जा रही है।

आईजी अमरेश मिश्रा का आकस्मिक दौरा, हथबंद थाने का किया निरीक्षण

बलौदाबाजार। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने शुक्रवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले का आकस्मिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डीजीपी/आईजी सम्मेलन के तहत गोद लिए गए थाना हथबंद का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जनोन्मुखी और तकनीक आधारित बनाने के निर्देश दिए।

हथबंद थाने के रखरखाव पर जोर

थाना हथबंद के निरीक्षण के दौरान आईजी ने थाना परिसर की स्वच्छता, अधोसंरचना एवं संसाधनों के बेहतर रखरखाव के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। उन्होंने थाने के रिकॉर्ड और शासकीय पंजियों को नियमित रूप से अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने पर भी जोर दिया। आईजी ने कहा कि थाने में आने वाले आम नागरिकों और पीड़ितों के साथ संवेदनशील, शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अंधविश्वास के खिलाफ चलाएं जागरूकता अभियान थाना निरीक्षण के बाद आईजी अमरेश मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक गौरव राय के साथ जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अंधविश्वास, टोना-जादू से संबंधित शिकायतों पर तत्काल और गंभीरता से वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही अंधविश्वास को समाप्त करने के उद्देश्य से पूरे जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा।

उन्होंने मैदानी पुलिसिंग में नेतृत्व क्षमता को मजबूत, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने तथा भविष्य में आने वाली सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए अग्रिम रणनीति तैयार रखने के निर्देश दिए। साइबर अपराध रोकथाम में तकनीक का करें उपयोग आईजी ने सीसीटीएनएस के तहत डेटा एंट्री और केस मैनेजमेंट का कार्य समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग करने तथा पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान' का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी संयंत्र प्रबंधकों को अपने-अपने संयंत्रों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को भी साइबर जागृति अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि साइबर अपराधों के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापारियों से समन्वय आईजी ने जिले की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम एवं सुदृढ़ बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। छोटे कस्बों, नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय व्यापारी संघों के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करने तथा अधिक से अधिक ट्रैफिक वॉलंटियर्स नियुक्त करने पर भी जोर दिया गया।

दूरस्थ अबूझमाड़ से मरीज को प्राकृतिक आपदाओं से निकालकर सुरक्षित पहुंचाया गया अस्पताल

दुर्गम अबूझमाड़ में 29वीं वाहिनी आईटीबीपी बनी जीवन रक्षक

नारायणपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम और घने जंगलों में तैनात 29वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा प्रहरी के साथ-साथ जरूरतमंद ग्रामीणों के लिए जीवन रक्षक की भूमिका भी निभा रहे हैं। बारिश के मौसम में क्षेत्र के कच्चे और दुर्गम रास्ते बेहद खराब हो जाने से कई गांवों तक चार पहिया वाहन पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ऐसे कठिन हालात में आईटीबीपी के जवान ग्रामीणों की मदद के लिए लगातार आगे आ रहे हैं। इसी मानवीय पहल का उदाहरण 18 अगस्त को देखने को मिला। अबूझमाड़ के कुमनार गांव की 17 वर्षीय युवती करू, पुत्री मंगली, पिछले 12 दिनों से अत्यधिक मासिक रक्तस्राव से पीड़ित थी। इसकी सूचना पोस्ट कुमनार स्थित 29वीं वाहिनी आईटीबीपी को मिली।

सूचना मिलते ही निरीक्षक संतोष कुमार झा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पोस्ट कुमनार में युवती का प्राथमिक चिकित्सकीय परीक्षण कराया। चिकित्सकीय परामर्श के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओरछा ले जाने की सलाह दी गई। मौसम और दुर्गम रास्तों की चुनौती के बावजूद आईटीबीपी ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। सहायक उप निरीक्षक रसपाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें आठ जवान और एक मेडिक्स शामिल थे। टीम पोस्ट कुमनार से लगभग 500 मीटर तक पैदल चलकर युवती को आगे मोटरसाइकिल से ले गई।

रेस्क्यू टीम पांच मोटरसाइकिलों के साथ पोस्ट कुमनार से पोस्ट दिवालूर पहुंची और वहां से पोस्ट बोटेर की ओर रवाना हुई। बारिश से फिसलन भरे कच्चे रास्तों, घने जंगल, ऊबड़-खाबड़ मार्ग और जगह-जगह जलभराव के बीच टीम लगातार आगे बढ़ती रही। लगभग शाम 5रू30 बजे टीम पोस्ट कुदमेल और अबूझमाड़ क्षेत्र के बीच स्थित नाले तक पहुंची। नाले के आगे का रास्ता एंबुलेंस से तय किया गया।

चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अनिता अग्रवाल के मार्गदर्शन में शासकीय हाई स्कूल पीथमपुर में चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। इस दौरान पोक्सो अधिनियम, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, बाल विवाह रोकथाम तथा सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही बाल श्रमिक, अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृत्ति एवं नशे जैसी गतिविधियों में संलिप्त तथा सड़क जैसी परिस्थितियों में निवासरत बच्चों की पहचान एवं उनके संरक्षण के लिए प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को बाल विवाह, पोक्सो अधिनियम से संबंधित प्रकरणों तथा सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों, बाल श्रमिकों, अपशिष्ट संग्राहकों, भिक्षावृत्ति एवं नशे में संलिप्त बच्चों की जानकारी मिलने पर तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग, चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा मोबाइल नंबर 9827771819 एवं 8963997174 पर सूचना देने की अपील की गई।

'ग्रामीण आजीविका को मिलेगा नया संबल, कोरिया में 174 किसानों को मिले 1020 बैग उन्नत मत्स्य बीज'

कोरिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों तथा महिला स्व-सहायता समूहों की आय बढ़ाने की दिशा में कोरिया जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास के प्रयासों से वीबी-ग्राम-जी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) एवं मत्स्य पालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के 174 किसानों को 1020 बैग उन्नत मत्स्य बीज वितरित किए गए।

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बिहान महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को 'आजीविका डबरी योजना' से जोड़ा गया है। योजना के तहत निर्मित डबरियों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देश पर मत्स्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को अनुदान आधारित मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया। कुल 174 हितग्राहियों में 68 आजीविका डबरी हितग्राही तथा 106 अन्य किसान शामिल हैं। अन्य हितग्राहियों के पास तालाब, अमृत सरोवर अथवा व्यक्तिगत डबरी उपलब्ध है। मत्स्य पालन से इन्हें कृषि के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा। मत्स्य बीज वितरण कार्यक्रम विकासखंड बैकुंठपुर के गेज प्रक्षेत्र तथा विकासखंड सोनहत के अमहर प्रक्षेत्र में आयोजित किया गया। योजना के तहत हितग्राहियों द्वारा मात्र 140 रुपये प्रति बैग की दर से स्वैच्छिक अंशदान राशि जमा कराई गई।

कलेक्टर ने कुश्ती मुकाबलों का लिया जायजा, कहा खिलाड़ियों की सुविधा में नहीं होनी चाहिए कोई कमी

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

धमतरी । 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को आमापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के कुश्ती मुकाबले उत्साह, रोमांच और खेल भावना के साथ आयोजित हुए। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे युवा खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों में दमखम दिखाया। प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने कलेक्टर अबिनाश मिश्रा इंडोर स्टेडियम पहुंचे।

कलेक्टर मिश्रा ने विभिन्न कुश्ती मुकाबलों का अवलोकन किया तथा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से संवाद कर प्रतियोगिता के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ठहरने, भोजन, पेयजल, खेल सामग्री, प्रशिक्षण, परिवहन, स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में खिलाड़ियों से सीधे फीडबैक लिया। खिलाड़ियों ने भी अपनी आवश्यकताओं और व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर से संवाद किया। कलेक्टर मिश्रा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा को पहचान देने के साथ-साथ सीखने, अनुभव प्राप्त करने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच है। खेल में सफलता केवल जीत तक सीमित नहीं होती, बल्कि

अनुशासन, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास, धैर्य और खेल भावना ही एक खिलाड़ी को उत्कृष्ट बनाती है। उन्होंने खिलाड़ियों से बिना किसी दबाव के पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तथा प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से खेलने का आह्वान किया। उन्होंने आयोजन से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों की सुविधा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवास, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, परिवहन, खेल सामग्री एवं चिकित्सा जैसी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि खेल आयोजन केवल पदक और प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं होते, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का माध्यम भी हैं। इसलिए आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था में गुणवत्ता, संवेदनशीलता और तत्परता का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने प्रशिक्षकों से भी खिलाड़ियों की आवश्यकताओं एवं प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए सकारात्मक और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई,दूषित दशा मे रखे 92 किलो चमचम कराया गया नष्ट

भाटापारा । कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले मे 7 दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान बने खाबो-बने रहिबो 2.0 संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी मे शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान एक होटल मे अस्वच्छ और दूषित दशाओं में चमचम मिठाई तैयार किया जा रहा था,मौके पर मौजूद लगभग 92 किलोग्राम चमचम मिठाई को तत्काल ज़ब्त कर नष्ट कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरु नानक वार्ड, भाटापारा में नीरज कुमार मूल निवासी रोशंगपुर, जिला औरैया उत्तर प्रदेश द्वारा खुले में, बेहद अमअस्वच्छ माहौल में जहाँ मक्खियों भिनभिना रही थीं चमचम मिठाई का निर्माण किया जा रहा था। जब टीम ने संचालक से खाद्य लाइसेंस या पंजीयन संबंधी दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असमर्थ रहा। अस्वच्छ और दूषित दशाओं में मिठाई तैयार किए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मौके पर ही चमचम के नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनमस्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरे को देखते हुए मौके पर मौजूद लगभग 92 किलोग्राम चमचम मिठाई को तत्काल ज़ब्त किया गया और नष्टीकरण की कार्रवाई हेतु नगर निगम की गाड़ी को सौंप दिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इम गंभीर लापरवाही और अवैध संचालन पर मख्त रुख अपनाते हुए संबंधित निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव मे बंद करवा दिया है। इसके साथ ही संचालक को लिखित में कड़े निर्देश दिए गए हैं कि आगामी आदेश तक किसी भी प्रकार का निर्माण या व्यावसायिक कार्य पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। त्योहारों और सामान्य दिनों में भी मिलावटखोरों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु दावाआपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिला जांजगीर-चांपा के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों के जिला स्तर के रिक्त 20 संविदा पदों की भर्ती हेतु 4 संवर्ग स्टॉफ नर्स. फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर, कुक कम केयर टेकर, अटेंडेट के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का स्क्रूटनी कर पात्र-अपात्र की सूची जारी किया गया है। जिसका दावा आपत्ति निर्धारित प्रारूप में 03 सितम्बर 2026 कार्यालयीन समय सायं 5 बजे तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जांजगीर-चांपा में कार्यालयीन दिवस पर सीधे जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नही किया जाएगा। उक्त पात्र-अपात्र की सूची कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है तथा जिले के वेबसाईट **https://janjgir-champa.gov.in/** पर अपलोड किया गया है।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यकम के तहत बाढ़ बचाव मॉक ड्रिल में बालोद जिले के स्काउट्स गाइड्स ने लिया हिस्सा

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय एवं कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जिला मुख्य आयुक्त राकेश यादव के निर्देशन में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के द्वारा बालोद जिले में बाढ बचाव के विषय पर आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यकम के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन तान्दुला जलाशय (आदमाबाद) में किया गया। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा आम जनता एवं स्कूली बच्चों को जागरूक करना था।

मॉक ड्रिल में प्रत्यक्ष रूप से यह दिखाया गया कि तांदुला जलाशय में अचानक तेज लहर उठने के कारण से नाव पलट गई जिससे 2 मछुवारे डूब रहे है, और मदद के लिए आवाज दे रहे है , पानी में फंसे और बेहोशी की हालत से इन्हें बचाने का प्रयास बाढ़ बचाव की

टीम द्वारा किया गया । प्राथमिक चिकित्सा उपरान्त पीड़ितों को एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय बालोद की ओर रवाना किया गया।

साथ ही बच्चों को सीमित संसाधनों का उपयोग करके बाढ़ के पानी में सुरक्षित रहने , बेहोशी की हालत में निकालने का मॉक् ड्रिल और बचाव करने के कई सरल और कारगर प्रदर्शन सफल रहे । खाली प्लास्टिक बोतलों / खाली पीपे आदि को जोडकर तैरने वाले उपकरण (फ्लोटिंग डिवाइस) बनाने और उनका उपयोग करने का अभ्यास किया गया।

जलाशयों में लाइफ जैकेट को सहीं तरीके से पहनने और उसका इस्तेमाल करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी के साथ जिला शिक्षा अधिकारी बालोद दीपक दुबे, डीओसी गाइड प्रेमलता चंद्राकर, विकासखंड सचिव बालोद रूपेन्द्र सिन्हा, मिलन सिन्हा लोहारा, कमला वर्मा, विवेक धुर्वे, के साथ बड़ी संख्या में स्काउटर गाइडर एवं स्काउट्स, गाइड्स रोवर्स, रेंजर्स बच्चे उपस्थित रहे।

सरकारी योजना का लाभ, बैंक का सहयोग और मेहनत ने बनाया स्वरोजगार का मजबूत आधार

बीजापुर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने बीजापुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवा अजय कुरसम के लिए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। नयापारा, पेद्दाकवाली/चिन्नाकवाली निवासी अजय कुरसम ने योजना के माध्यम से ऋण प्राप्त कर चिन्नकोडेपाल में सिलाई एवं कपड़े की दुकान शुरू की है। आज वे अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर परिवार की आर्थिक जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

अजय कुरसम, पिता रामचंद्र कुरसम, ने स्वयं का रोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर के माध्यम से अपना ऋण प्रकरण तैयार कराया। प्रकरण को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मोदकपाल शाखा भेजा गया, जहां परीक्षण के बाद उन्हें ?1.00 लाख का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया गया। योजना के

प्रावधानों के तहत उन्हें 35 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) का लाभ भी मिला।

मेहनत और लगन से मजबूत हुई आर्थिक स्थिति ऋण प्राप्त होने के बाद अजय ने चिन्नकोडेपाल में सिलाई एवं कपड़े की दुकान शुरू की। नियमित मेहनत और लगन के साथ वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं। दुकान से उन्हें आय का स्थायी साधन मिला है, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर रहे हैं। अजय बताते हैं कि के माध्यम से मिला सहयोग उनके लिए स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। सरकारी योजना से मिली वित्तीय सहायता का बेहतर उपयोग करते हुए उन्होंने छोटे स्तर से अपना व्यवसाय शुरू किया और उसे आगे बढ़ाने का प्रयास जारी रखा है। डिजिटल प्रचार से बढ़ रहा कारोबार अजय अपने व्यवसाय के प्रचार-प्रसार के लिए पारंपरिक माध्यमों के साथ-साथ सहित डिजिटल माध्यमों का भी उपयोग कर रहे हैं। इससे उनकी दुकान और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी अधिक लोगों तक पहुंच रही है तथा ग्राहकों की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। युवाओं के लिए बने प्रेरणा अजय कुरसम की सफलता आसपास के ग्रामीणों और युवाओं के लिए प्रेरणादायी बन रही है।

KKC प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संपन्न राजीव जी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर । आज राजधानी रायपुर में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश अध्यक्ष श्री अभिषेक बोरकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी जी की जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष श्री अभिषेक बोरकर के नेतृत्व में चयष्ट प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी एवं संगठन प्रभारी महामंत्री श्री मलकीत सिंह गेंदू जी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान संगठन की वर्तमान स्थिति एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में चयष्ट के राष्ट्रीय

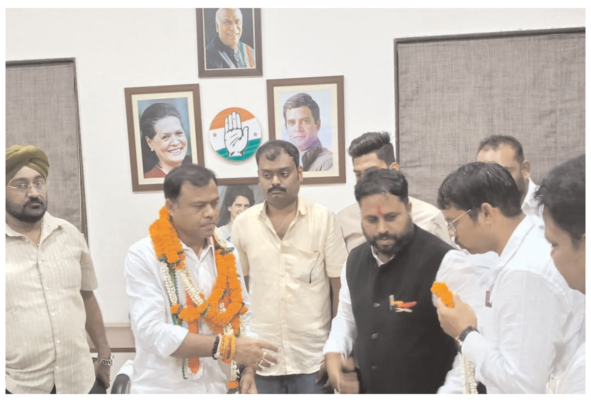

अध्यक्ष, पूर्व सांसद माननीय डॉ. उदित राज जी के विजन पर विशेष चर्चा हुई। डॉ. उदित राज जी की सोच है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उन्हें सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और अधिकार दिलाना ही कांग्रेस की प्राथमिकता है। इसी सोच को छत्तीसगढ़ के कोने-कोने तक ले जाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में प्रदेश के असंगठित मजदूरों, निर्माण श्रमिकों, घरेलू कामगारों, ऑटो-ई-रिक्शा चालकों एवं अन्य कामगार वर्ग के कल्याण हेतु जिला स्तरीय मजदूर सम्मेलन और सदस्यता अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। विनीत राम सूर्यवंशी प्रदेश महासचिव व

अच्छी वर्षा से धान की बुआई का लक्ष्य बढ़ा

धमतरी । धमतरी जिले में बारिश की स्थिति अच्छी है। अब तक 763.6 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिसके चलते खरीफ फसल धान की बुआई के लक्ष्य से 545 हेक्टेयर और अधिक हो गया है। बारिश का असर बांधों पर भी पड़ा है जिसके कारण माड़मसिल्ली, गंगरेल बांध लबालब भर गये हैं। हालांकि गेट खोलने के लिए अभी और बारिश की जरूरत है।

धमतरी जिले में 1 जून से अब 763.6 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड दर्ज किया गया है। सबसे ज्यादा बारिश नगरी तहसील क्षेत्र में 856.3 मिमी और सबसे कम बारिश बेलरगांव तहसील क्षेत्र में 739.6 मिमी दर्ज किया गया है। धमतरी तहहसील क्षेत्र में 796.4 मिमी, कुरूद तहसील क्षेत्र में 759.1 मिमी, मगरलोड तहसील क्षेत्र में 759.8 मिमी, भखारा तहसील क्षेत्र में 671.8 मिमी, कुकरेल तहसील क्षेत्र में 762.0 मिमी वर्षा हो चुकी है। बारिश

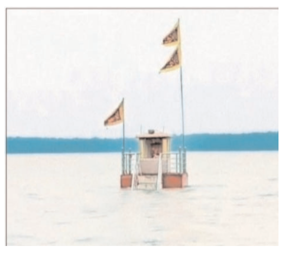

का असर खेती किसानी कार्य पर भी पड़ा है। खेतों में हरियाली छाई है। फसल लहलहा रही है। कृषि विभाग के मुताबिक बोता धान का लक्ष्य 2025 में 79450 हजार हेक्टेयर, रोपाई का लक्ष 55600 हजार हेक्टेयर रखा गया था। कुल 135050 हेक्टेयर कुल क्षेत्र था। जबकि इस साल लक्ष्य से ज्यादा बुआई हुई है। वर्ष 2026 में 133500 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा है। जिसमें 74 हजार हेक्टेयर बोता, 59500 हेक्टेयर में रोपाई शामिल रहा है। लेकिन यह आंकड़ा बढ़ गया है। जिले में 79450 हेक्टेयर धान बोता, 59500 हेक्टेर में रोपाई हो गयी है। ।

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, 120 बुजुर्गों को किया सम्मानित

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक रावन सीएसआर की ओर से विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता और समाज में उनके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्षेत्र के 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब 120 वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक परिवार और समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उनके जीवन के अनुभव और सीख युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता बनाए रखने

की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके साथ संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में सिक्योरिटी विभाग प्रमुख राजू सिंह एवं सीएसआर प्रमुख निरुपा श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय सहित टीम के सदस्य जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, सुरेंद्र यादव, ताराचंद वर्मा, सुनीता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू का योगदान रहा।

पार्षद के प्रयास से दो महीने से बंद राशन दुकान फिर खुली हितग्राहियों को मिली राहत

जांजगीर-चांपा । वार्ड नंबर 7 में पिछले करीब दो महीने से बंद पड़ी राशन दुकान को आखिरकार फिर से खुलवा दिया गया है। राशन दुकान बंद होने के बाद वार्ड के हितग्राहियों को राशन लेने के लिए फाटक पार स्थित दुकान तक जाना पड़ रहा था, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।बताया जा रहा है कि पिछले दो महीने से वार्ड नंबर 7 के हितग्राहियों को राशन लेने के लिए फाटक पार भेजा जा रहा था। इसके चलते वार्ड के लोगों को रेलवे पटरी पार करके या फिर ओवरब्रिज के रास्ते लंबा चक्कर लगाकर राशन लेने जाना पड़ता था। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ जाने वाले परिवारों के लिए यह व्यवस्था विशेष रूप से परेशानी का कारण बनी हुई थी।लोगों की परेशानी को देखते हुए माधुरी देवी पालीवाल ने पहल

करते हुए बंद राशन दुकान को दोबारा वार्ड में खुलवाने के लिए प्रयास किया। उनके प्रयास के बाद अब राशन दुकान फिर से शुरू हो गई है, जिससे वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली है। राशन दुकान बंद होने के कारण लोगों को अपने ही वार्ड में राशन नहीं मिल पा रहा था। फाटक पार जाने के लिए या तो रेलवे पटरी पार करनी पड़ती थी या ओवरब्रिज से लंबा रास्ता तय करना पड़ता था। इससे समय और परेशानी दोनों बढ़ रही थी। वार्ड में ही राशन दुकान शुरू होने से हितग्राहियों को लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। लोगों ने दुकान दोबारा खुलवाने के प्रयास के लिए माधुरी देवी पालीवाल का आभार जताया है। वार्डवासियों ने अब राशन दुकान का नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में उन्हें राशन के लिए अपने वार्ड से बाहर ना जाना पड़े राशन जैसी आवश्यक सुविधा वार्ड के लोगों को उनके क्षेत्र में ही समय पर मिलनी चाहिए।

नदी के तेज बहाव में पहाड़ी कोरवा की मौत , एक किमी दूर मिला शव

पत्थलगांव/जशपुर । बगीचा थाना क्षेत्र में दोड़की नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आने से 54 वर्षीय पहाड़ी कोरवा की मौत हो गई। करीब एक किलोमीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में फंसा उसका शव बरामद किया गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार, मृतक बूधुराम पहाड़ी कोरवा (54 वर्ष) अपनी बेटी के ससुराल डुमरकोना जाने के लिए निकला था।

इसी दौरान डुमरटोली के पास दोड़की नदी पार करते समय वह अचानक तेज बहाव में बह गया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने नदी में तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद करीब एक किलोमीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में बूधुराम का शव फंसा हुआ मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला।घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। बगीचा पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जर्जर सड़कें और अधूरी मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण परेशान

पत्थलगांव। ग्राम पंचायत खरकट्टा में सरपंच यशुदास किंडो के चुनावी संकल्प पत्र में किए गए विकास के वादे अब सवालों के घेरे में हैं। चुनाव के दौरान सड़क, पेयजल, बिजली, पंचायत भवन, स्कूल, आंगनबाड़ी और खेल मैदान जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का भरोसा ग्रामीणों को दिया गया था, लेकिन चुनाव के बाद काफी समय गुजरने के बावजूद कई वादे धरातल पर पूरी तरह नजर नहीं आ रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि गांव की कई सड़कें जर्जर हालत में हैं और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कई काम अब भी अधूरे हैं। पेयजल, बिजली, सड़क सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में चुनाव के समय जारी संकल्प पत्र और वर्तमान

जमीनी स्थिति के बीच अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं।संकल्प पत्र में किए गए थे कई वादे।चुनावी संकल्प पत्र में दूर-दराज से पानी लाने वाले ग्रामीणों के लिए पेयजल व्यवस्था करने, बिजली की समस्या का समाधान, जर्जर पंचायत भवन के स्थान पर नया भवन बनाने तथा स्कूल और आंगनबाड़ी की स्थिति सुधारने का वादा किया गया था।इसके अलावा बच्चों के लिए खेल मैदान, पात्र हितग्राहियों को आवास तथा बुजुर्गों और विधवा हितग्राहियों को समय पर पेंशन दिलाने सहित कई घोषणाएं की गई थीं। ग्रामीण अब सवाल उठा रहे हैं कि इन घोषणाओं को कब अमलीजामा पहनाया जाएगा। ग्रामीण अब घोषणाओं के बजाय धरातल पर काम देखना चाहते हैं। वहीं ग्राम पंचायत खरकट्टा के सरपंच यशुदास किंडो ने बताया कि सड़क का प्रस्ताव पीएमजीएसवाई एवं लोक निर्माण विभाग को भेजा गया है।

आने वाले कल के खेल-सितारों को तैयार करने का यही समय है

मौजूदा हालात को देखते हुए तो यह बेहद कठिन लगता है कि भारत 2034 के फीफा विश्वकप के लिए क्वालिफाई कर पाएगा। लेकिन 2034 को एक डेडलाइन के तौर पर जरूर लिया जा सकता है। तब तक भारत ऐसा फुटबॉल सिस्टम विकसित करे, जो विश्वकप के लिए क्वालिफाई करने के लिए चुनौती पेश कर सके।

भारत अभी एशियाई देशों में से क्वालिफाई करने योग्य स्तर से काफी दूर है। हमारी टीम में निरंतरता का अभाव है और हमारा डेवलपमेंट सिस्टम ऐसे पर्याप्त फुटबॉलर तैयार नहीं कर पाता है, जो शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

हमारा मकसद यही होना चाहिए कि अगले 8 वर्षों में भारत एशिया का उन्नत फुटबॉल सिस्टम बने। यदि हमने यह कर लिया तो क्वालिफाई करना संभव है। इसके लिए पहली जरूरत है- संस्थागत स्थिरता। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और भारतीय खेल प्रशासन फ्रैमवर्क के तहत ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के प्रशासनिक ढांचे से जुड़ी प्रक्रिया समाधान की दिशा में आगे बढ़ी है। प्राथमिकता सुधारों को लागू करने की हो।

हमें इंडियन सुपर लीग के उभरते व्यावसायिक ढांचे को स्थिर, प्रतिस्पर्धी और आर्थिक तौर पर जिम्मेदार ऐसी पेशेवर व्यवस्था में बदलना होगा, जिसमें फेडरेशन की स्पष्ट भूमिका हो। इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि क्या वह खेलों का भरोसेमंद कैलेंडर, मजबूत क्लब, खिलाड़ियों के लिए अनुबंध संबंधी निश्चितता और नेशनल लीग के लिए आपस में जुड़ा ढांचा उपलब्ध करा पाता है। कॉर्पोरेट और सरकारी सहायता भी तभी बढ़ेगी, जब पूरा इको-सिस्टम पेशेवर ढंग से संचालित हो।

दूसरी जरूरत यह है कि इस पूरी व्यवस्था को भारतीय खिलाड़ी तैयार करने के इर्द-गिर्द संगठित किया जाए। विश्व कप का क्वालिफिकेशन महज इससे हासिल नहीं होता कि हर कुछ वर्षों में राष्ट्रीय टीम का कोच बदल दिया जाए या बड़े मुकाबलों से पहले छोटे-मोटे प्रशिक्षण शिविर लगा दिए जाएं। जो फुटबॉलर भारत को 2034 के विश्व कप की चुनौती तक ले जा सकते हैं, उनमें से अधिकतर आज 12 से 20 वर्ष की उम्र के बीच हैं।

उनके विकास का समय यही है। शुरुआत जिलास्तरीय स्काउटिंग से हो। फिर ये खिलाड़ी मान्यता प्राप्त अकादमियों और प्रतिस्पर्धी यूथ लीगों से होते हुए पेशेवर क्लबों और राष्ट्रीय टीमों तक पहुंचें। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को बेहतर कोचिंग, पर्याप्त मैच खेलने के अवसर और मजबूत एशियाई तथा अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ नियमित खेलने का अनुभव मिलना चाहिए। प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में ही होनी चाहिए और उनकी भौगोलिक या आर्थिक पृष्ठभूमि को देखे बिना उन्हें तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

कोचों में भी हमें गंभीरता से निवेश करना होगा। कोच-एजुकेशन को नेशनल कैपेसिटी-बिल्डिंग की तरह लें। नेशनल प्लेयर डेटाबेस, वीडियो एनालिसिस, पारदर्शी स्काउटिंग और सभी प्रतियोगिताओं के लिए समान मानदंड तय करने में तकनीक की मदद ली जा सकती है। तीसरी जरूरत है सभी को साथ लेकर चलने वाला राष्ट्रीय गठबंधन। कोई भी फेडरेशन, मंत्रालय, राज्य सरकार या पेशेवर लीग अपने दम पर विश्वकप क्वालिफिकेशन की क्षमता नहीं रखती। एआईएफएफ को तकनीकी दिशा, नियमन और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी उठानी होगी।

क्लबों को पेशेवर खिलाड़ियों के विकास का प्रमुख जरिया बनना होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूली प्रतियोगिताओं, खेल के मैदानों तक आमजन की पहुंच और उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिए जरूरी सहायता देनी होगी।

भारतीय कॉर्पोरेट जगत को भी अब छोटी-छोटी स्पॉन्सरशिप से आगे बढ़कर अकादमियों, कोचों, यूथ लीगों, अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर में धैर्य के साथ दीर्घकालिक निवेश करना चाहिए। पूर्व खिलाड़ियों और कोचों को भी सार्थक तकनीकी भूमिकाएं दी जानी जरूरी है।

खेल प्रशंसक के तौर पर बड़े हुए बहुत-से भारतीयों की तरह मैं भी डुरंड कप को केवल एक और फुटबॉल प्रतियोगिता के तौर पर नहीं याद करता। यह टूर्नामेंट भारतीय फुटबॉल के इतिहास, संस्थागत टीमों की ताकत और सार्थक प्रतियोगिताओं से उपजे गौरव का प्रतिनिधित्व करता रहा है। आज भी ऐसी प्रतियोगिताएं एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका निभा सकती हैं। वे भारतीय प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने का मंच भी बन सकती हैं।

जो फुटबॉलर भारत को 2034 के विश्व कप की चुनौती तक ले जा सकते हैं, उनमें से अधिकतर आज 12 से 20 वर्ष की उम्र के बीच हैं। उनके विकास का समय यही है। इसके लिए हमें एक एकीकृत व्यवस्था की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दिन में सपने देखें, लेकिन भाग्य और कर्म का संतुलन समझकर

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सपने देखना जरूरी है। सपने ही हमें लक्ष्य देते हैं और लक्ष्य ही जीवन को दिशा देता है। लेकिन केवल सपने देखना पर्याप्त नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि हम किस तरह के सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए हमारी तैयारी कितनी मजबूत है। रात में आने वाले सपने हमारे नियंत्रण में नहीं होते, लेकिन दिन में देखा गया सपना हमारी योजना और संकल्प का हिस्सा बन सकता है।

दिन में सपने देखने का अर्थ केवल कल्पनाओं में खो जाना नहीं, बल्कि अपने भविष्य की स्पष्ट तस्वीर बनाना है। इसके लिए सबसे पहले भाग्य और कर्म के संबंध को समझना होगा। भाग्य हमारे जीवन में परिस्थितियां ला सकता है, लेकिन उन परिस्थितियों का उपयोग किस तरह करना है, यह हमारे कर्म पर निर्भर करता है। इसलिए अपने सपनों को केवल भाग्य के भरोसे छोड़ना उचित नहीं है।

आज दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। तकनीक, रोजगार, व्यापार और जीवनशैली में लगातार बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में हमें यह देखना होगा कि जिस दिशा में दुनिया आगे बढ़ रही है, क्या हम भी उसी गति से आगे बढ़ रहे हैं? यदि परिस्थितियां बदल रही हैं और हमारी कार्यशैली पुरानी बनी हुई है तो सपनों को पूरा करना कठिन हो सकता है। इसलिए समय के साथ स्वयं को बदलना भी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते समय दूसरों के सहयोग को भी महत्व देना चाहिए। हर व्यक्ति हर काम अकेले नहीं कर सकता। जिन लोगों के पास अनुभव, ज्ञान या विशेषज्ञता है, उनसे सीखना और सहयोग लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। साथ ही अपनी क्षमताओं की पहचान करना भी जरूरी है। हमें एक सूची बनानी चाहिए कि हम कौन-कौन से काम सबसे अच्छे ढंग से कर सकते हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। अपनी कमजोरियों को पहचानना भी उतना ही जरूरी है जितना अपनी खूबियों को जानना। कई बार सफलता के रास्ते में बाहरी परिस्थितियों से ज्यादा हमारी अपनी कमियां बाधा बनती हैं। समय प्रबंधन, संवाद, निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन या निरंतरता जैसी कमियों पर काम करके हम अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सकते हैं।

हमारे सामूहिक-विवेक को जगाती थीं पहले की फिल्में

बंटवारे पर एक कोर्स पढ़ाते समय मुझे यश चोपड़ा की फिल्म 'धर्मपुत्र' (1961) की याद आई और साहिर के गानों को सुनकर उसमें निहित दर्द और क्रोध की भावना को समझा। बंटवारे का साया कई फिल्मों पर दिखाई देता है। फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से लोग बंटवारे से सीधे तौर पर प्रभावित हुए थे।

बंटवारे ने जो असर डाला, उसका फिल्मों में हमेशा ऐतिहासिक नजरिए से ही चित्रण नहीं किया गया है। गीतकारों, निर्देशकों और कहानीकारों ने इस उथल-पुथल पर दोस्ती, टूटे रिश्तों, रोमांस, शक-ओ-शुबहा और नफरत से हुई तबाही की कहानियां सुनाकर प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने ऐसे गाने भी बनाए, जो साझा संस्कृति को दिखाते थे। मसलन, 'धर्मपुत्र' की ही यह कव्वाली, जिसे बलबीर और महेंद्र कपूर ने गाया था : 'काबे में रहो या काशी में / निस्बत तो उसी की जात से है / तुम राम कहो के रहीम कहो / मतलब तो उसी की बात से है / यह मस्जिद है वह बुतखाना / चाहे ये मानो चाहे वह मानो!'

इस गाने के विजुअल्स पोस्टरों जैसे हैं, जिनमें कुछ लोग साफ तौर पर मुस्लिम और कुछ साफ तौर पर हिंदू दिखते हैं और बारी-बारी से गाना गाते हैं। हमें बताया जाता है कि काबा और काशी, राम और रहीम, मस्जिद और मंदिर एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि 'मतलब तो उसी की बात से है।' आस्था का मकसद एक ही है, चाहे हम किसी को भी मानें। यह आप पर है कि आप किस पर यकीन करते हैं।

इसे बॉलीवुड के उस सेकुलरिज्म के एक रूप के तौर पर देखा जा सकता है, जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों के बीच भावनात्मक जुड़ाव दिखता है। इस तरह के गानों की एक और खासियत यह है कि इन्हें अक्सर सूफी दरगाहों में प्रदर्शित किया जाता है।

इससे सूफीवाद और उसमें मौजूद मिली-जुली संस्कृति की संभावनाओं के बारे में लोगों की सोच को मजबूत करने में काफी मदद मिलती है। उपरोक्त गाना भी कहानी के मौजूदा घटनाक्रम के लिए प्रासंगिक भी है और कहानी को आगे बढ़ाने वाला भी।

मैंने 'मौजूदा' शब्द सोच-समझकर इस्तेमाल किया है, क्योंकि फिल्म में दरगाह जाने से ही हुस्न बानो (माला सिन्हा) को अपने प्रेमी जावेद (रहमान) से दोबारा मिलने का मौका मिलता है। दरगाहें ऐसे कई मिलनों की गवाह रही हैं, जो शायद किसी और तरह मुमकिन नहीं हो पाते।

'धर्मपुत्र' आचार्य चतुरसेन के इसी नाम के उपन्यास से प्रेरित थी। चतुरसेन इस उपन्यास के बजाय अपने ऐतिहासिक लेखन के लिए ज्यादा जाने जाते थे। उपन्यास और फिल्म, दोनों की पृष्ठभूमि में भारत के 1920 के दशक के बाद के बड़े आंदोलन शामिल हैं। फिल्म की कहानी दिलीप के इर्द-गिर्द घूमती है।

वह एक मुस्लिम बच्चा है, जिसे हिंदू माता-पिता ने पाला-पोसा है। यह यश चोपड़ा की ही एक और फिल्म 'धूल का फूल' (1959) में दिखाए गए उस हिंदू बच्चे की कहानी का ठीक उल्टा है, जिसे एक मुस्लिम माता-पिता ने पाला था। लेकिन दिलीप बड़ा होकर ऐसा नौजवान बनता है, जिसे मुसलमानों से नफरत है।

वह हमें रबीन्द्रनाथ ठाकुर के किरदार 'गोरा' की याद दिलाता है, जो अपने माता-पिता के बारे में नहीं जानता था और मजेदार बात यह है कि वह अपने पालक हिंदू माता-पिता से भी ज्यादा कट्टर हिंदू था। अंत में, फिल्म हमें विभाजन के रक्तपात और दिलीप के खून के प्यासे गिरोहों में शामिल होने की ओर ले जाती है।

इकबाल के 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' और खिलाफत के दौरान 'हिंदू मुस्लिम भाई-भाई' के नारों से शुरू होने वाली यह फिल्म 1930 और 1940 के दशक के चरम ध्रुवीकरण को दर्शाती है। एकजुटता का आह्वान करने वाले गीतों से लेकर सह-अस्तित्व का आग्रह करने वाले गीत तक, फिल्म का अंत एक ऐसे गीत से होता है, जो अपने शब्दों और संगीत में विभाजन की भयावह हिंसा को समाहित करता है।

यह गीत पूछता है कि किसका खून बहा, किसका घर जला- नफरत के मलबे में क्या हम यह भी जान सकते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि मुस्लिम खून हिंदू खून से अलग है? संगीत की लय और भी प्रबल हो जाती है, ताल और भी प्रभावशाली हो जाती है और साहिर के शब्द हमसे पूछते हैं- 'ये किसका लहू है कौन मरा?'

इन गीतों को सुनकर मन भर आता है। बंटवारे के खून-खराबे के बावजूद हिंदी फिल्मों ने बुनियादी सवाल उठाकर हमारे विवेक को जगाया था। लेकिन आज वही बॉलीवुड नफरत और मर्दानगी के विषम कॉम्बिनेशन वाली फिल्में बनाता है और हमारे अंदर के दानवों को प्रोत्साहित करता है। असल में साहिर का विषाद हमारा सामूहिक विषाद है। गीतों के जरिये हम उसे याद करें, यह कमजोरी नहीं, दरअसल आज के वक्त में यह भी बगावत है!

किसका खून बहा, किसका घर जला- नफरत के मलबे में क्या हम यह भी जान सकते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि मुस्लिम खून हिंदू खून से अलग है? साहिर के शब्द हमसे यही सवाल पूछते हैं- 'ये किसका लहू है कौन मरा?'

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

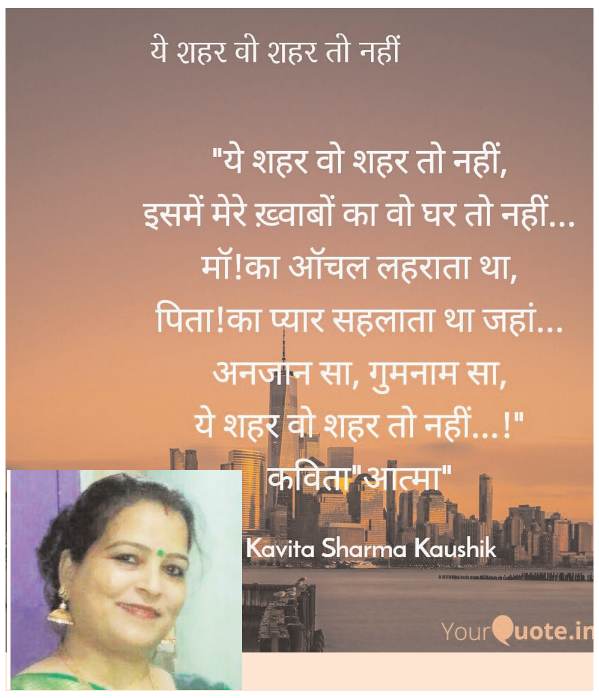

कुर्सी आराम नहीं देती, इमारतें संवाद नहीं करतीं; सोशल मीडिया के लिए बन रहे डिजाइन

'मैं जब सुबह की सैर पर निकलती, तो शांत और हरे-भरे मोहल्ले में एक पुराना, खूबसूरत सा घर हमेशा मेरा ध्यान खींचता था। लेकिन एकाएक अचानक वह घर गायब हो गया। उसकी जगह कंक्रीट के विशाल ढांचे ने ले ली, जिसे देखकर लगता था मानो उसने अपनी ही जमीन को निगल लिया हो। न कोई खुला बगीचा, न हरियाली...जमीन के आखिरी छोर तक सिर्फ दीवारें ही दीवारें। वह घर नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में फैला हुआ विशालकाय बॉक्स लग रहा था।

सहसा मन में सवाल कौंधा... क्या हमारी दुनिया पहले से कहीं ज्यादा बदसूरत होती जा रही है? आसपास नजरें दौड़ाईं, तो यह बीमारी हर जगह फैली दिखी। सड़कें चौड़ी थीं, लेकिन उन पर दौड़ने वाली गाड़ियां किसी युद्ध के हथियार जैसी आक्रामक, भारी-भरकम और चौकोर हो चुकी थीं- जैसे टेस्ला का 'साइबरट्रक', जिसे देखकर लगे कि वह किसी अनजान बहस को जीतने निकला है। फैशन की दुनिया में कदम रखा तो देखा कि युवा पीढ़ी ऐसे बेढंगे, बड़े-बड़े जूते और अत्यधिक ढीले कपड़े पहन रही है, जो सुंदरता के पारंपरिक नियमों को सीधे चुनौती देते हैं।

सवाल सिर्फ यह नहीं है कि लोगों की पसंद बदल रही है।

सुंदरता हमेशा से व्यक्तिगत और समय के साथ बदलने वाली रही है। असली समस्या है 'रेशियो' और 'संदर्भ' का खो जाना। अच्छा डिजाइन अपने माहौल से संवाद करता है। कुर्सी आराम दे, किताब का फॉन्ट आंखों को न चुभे और इमारत आसपास के सौंदर्य में सहजता से घुल जाए...। लेकिन आज की 'अटेंशन इकोनॉमी' में उद्देश्य उपयोगिता नहीं, बल्कि तुरंत ध्यान खींचना बन गया है। वही चीज सफल मानी जाती है जो स्क्रीन पर चौंकाए और तुरंत साझा की जा सके। रेस्त्रां स्वाद से ज्यादा सोशल मीडिया की तस्वीरों के लिए डिजाइन हो रहे हैं। हर उत्पाद, स्थान और दृश्य दूसरों से अलग दिखने की होड़ में है, मानो अपनी मौजूदगी साबित करने के लिए लगातार शोर मचा रहे हों।

फैशन में बदसूरती का प्रयोग नया नहीं है। प्राडा का 'अग्ली चिक' कलेक्शन इसका चर्चित उदाहरण रहा। अजीब कपड़े या जूते पहनना कलात्मक विद्रोह हो सकता है, क्योंकि उन्हें बदला जा सकता है। पर इमारतें और विशाल वाहन स्थायी होते हैं, जो हमारी साझा दुनिया और रोजमर्रा के अनुभव को प्रभावित करते हैं।

महान इतालवी डिजाइनर मैसिमो विग्नेली का मानना था कि डिजाइन का उद्देश्य दुनिया से फूहड़ता कम करना है। बदसूरती कभी-कभी विचारपूर्ण और कलात्मक हो सकती है, लेकिन फूहड़ता तब जन्म लेती है जब जरूरत से ज्यादा आकार, शोर और दिखावा सुंदरता को दबा देते हैं। हम जो चीजें बनाते और खरीदते हैं, वे हमारे मूल्यों को दर्शाती हैं। आज की विशाल, कर्कश और असंतुलित दुनिया हमारी कभी न खत्म होने वाली चाहत का प्रतिबिंब है। यही हमें एक अहम सवाल के सामने खड़ा करती है: आखिर कितना काफी है...?' (डेबी मिलमैन न्यूयॉर्क के सेंटर ऑफ विजुअल आर्ट्स की को-फाउंडर हैं।)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान राम सुमन्तजी के साथ जब कैकेईजी के भवन की ओर चले तो तुलसीदासजी से पूछा गया, कि सुमन्तजी के साथ कौन जा रहे हैं ? बोले – रघुकुलदीपहि चलेउ लेवाई। उन्होंने कहा कि रघुकुल के दीपक जो श्रीराम हैं वे सुमन्तजी के साथ जा रहे हैं। और जब महल में कैकेईजी के पास पहुंच गये तो तुलसीदासजी ने भगवान राम का नाम बदलते हुए लिखा – जाइ दीख रघुबंसमणि – रघुवंश की मणि जो राम हैं उन्होंने जाकर पिताजी को देखा। पहले दीपक कहा और बाद में मणि। और ज्यों ही कैकेईजी ने यह बताया कि मैंने तो यह वरदान मांगा है, यद्यपि उस समय भगवान ऊपर से तो नहीं हँसे, क्योंकि उस समय का वातावरण बाहर से हंसने

का नहीं था, पर मन ही मन प्रभु बहुत हंसे। वहां पर तुलसीदासजी का शब्द यही आता है – मन मुसुकाइ – प्रभु मन ही मन मुस्कुरा रहे हैं। गोस्वामीजी से पूछा गया कि ये रघुवंशमणि है कि रघुकुलदीप हैं ? उन्होंने कहा कि भई ! ये रघुकुल दीप भी नहीं हैं और रघुकुल मणि भी नहीं हैं अपितु ये तो – मन मुसुकाइ भानुकुल भानू। ये तो सूर्य हैं। तो पहले दीपक, उसके पश्चात मणि तथा अंत में सूर्य। किंतु इन तीनों उपमाओं में निहित तात्पर्य क्या है इस पर हम और आप जरा गंभीरता से विचार करें।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

मजबूत बिलीफ आपके फूड बिजनेस को जीवन के बाद भी 'प्रॉफिट' दिला सकती है

1960 के दशक में मेरे पिता नागपुर रेलवे स्टेशन के कैटरिंग सुपरवाइजर के तौर पर कार्यरत थे। उनके पास श्रीनिवासन नाम के एक शेफ काम करते थे, जिनसे उनका स्थायी विवाद रहता था। दरअसल, वड़ा या इडली का वजन भारतीय रेलवे द्वारा प्रिस्क्राइब्ड वजन से कम होता था।

पहले उन्होंने शेफ को समझाने की कोशिश की, जिसने अनिच्छा से यह बात मान भी ली, लेकिन यह चलन जारी रहा। इस प्रक्रिया में कुछ और लोग भी शामिल थे। मेरे पिता पूरी व्यवस्था से नहीं लड़ सकते थे, लेकिन वे इस मसले को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाते रहे। उनका विवाद गंभीर होता, इससे पहले ही पिता ने पैसेंजर रिजर्वेशन विभाग में ट्रांसफर का आवेदन कर दिया।

उच्चाधिकारियों को भी इस पूरे 'माफिया' से लड़ने के बजाय पिताजी का पसंदीदा विभाग में ट्रांसफर करना ज्यादा आसान लगा। एक दिन मुझे यह कहानी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्राहकों को धोखा देकर मैं भी पाप का भागीदार बन गया, जो मैं कभी नहीं चाहता था। ट्रांसफर के बाद ही मैं चैन से सो पाया।'

हमारे पूर्वजों का भोजन को लेकर एक खूबसूरत नजरिया था। उनका मानना था कि किसी भूखे को खाना खिलाना सिर्फ मेहमाननवाजी नहीं, बल्कि पुण्य कमाने का एक तरीका भी है, जो जिंदगी के बाद भी काम आएगा। हममें से कई लोग आज भी इस नेक विचार को मानते हैं।

खासकर आज यह सोच और प्रासंगिक हो जाती है, जब लोगों को खाना खिलाना एक विशाल कारोबार बन चुका है। खाने से कमाई करना कोई गलत बात नहीं। असल में तो यह सबसे जायज कारोबारों में से एक है, क्योंकि खाने की जरूरत सभी को होती है। लेकिन फूड बिजनेस की एक जिम्मेदारी है, जो शायद दूसरे कई कारोबारों में नहीं होती। जब कोई आपका बनाया खाना खाता है, तो वह अपनी सेहत को लेकर आप पर भरोसा करता है।

कर्नाटक के रेलवे स्टेशनों पर हाल ही में हुई फूड सेफ्टी जांच को देखकर मेरे दिमाग में यह विचार आया, क्योंकि यह याद दिलाता है कि जब इस जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया जाता है तो क्या होता है। अधिकारियों को जांच में एक्सपायर्ड दूध-दही, अखबारों में पैक खाना, अनुपयुक्त कंटेनरों में चटनी, सब्जियों में फफूंद और गैर-अनुमत रंगों के संदिग्ध इस्तेमाल के मामले मिले।

महाराष्ट्र में भी ऐसी ही फूड सेफ्टी छापेमारी में एक्सपायर्ड और घटिया उत्पाद, खराब साफ-सफाई और फूड हैंडलिंग में गंभीर खामियां मिलीं। कोई रेल यात्री उस स्टेशन का नाम भूल सकता है, जहां से उसने नाश्ता खरीदा। लेकिन वहां के खाने से हुई पेट की खराबी को वह शायद ही कभी भूल पाए।

दूसरी ओर, गुणवत्तापूर्ण खाना किसी फूड बिजनेस को ज्यादा मुनाफा दिला सकता है। ग्राहक उन जगहों को याद रखते हैं, जहां वे बिना डर के खाना खा सकते हैं। परिवार भरोसेमंद रेस्तरां में बार-बार जाते हैं। ट्रैवलर्स भरोसेमंद फूड आउटलेट्स को रिकमेंड करते हैं।

बिजनेस के नजरिए से देखें तो साफ किचन और सुरक्षित खाना किसी ब्रांड का सबसे मजबूत विज्ञापन बन सकता है। जो व्यक्ति बेहतर सामग्री में निवेश करता है, किचन साफ रखता है, खाना सही-से स्टोर करता है, कर्मचारियों को प्रशिक्षण देता है और गुणवत्ता से समझौता नहीं करता, उसका खर्च ज्यादा हो सकता है लेकिन वह शॉर्ट-टर्म मार्जिन से कहीं ज्यादा कीमती चीज बना रहा होता है- वह है भरोसा।

और मुझे यह कहने की जरूरत नहीं कि भरोसा कैसे पैसे को आकर्षित करता है। लेकिन एक और तरीके का रिटर्न है, जिसे हमारे पूर्वज हमसे बेहतर समझते थे। अगर आपके कारोबार से रोजाना हजारों लोगों का पेट भरता है तो शायद आप सिर्फ खाना नहीं बेच रहे हैं।

आप ऐसा काम कर रहे हैं, जिसका लाभ-हानि से परे एक मानवीय मूल्य भी है। एक रेलवे वेंडर की कल्पना कीजिए, जो किसी भूखे यात्री को गर्म, ताजा और सुरक्षित खाना देता है। एक रेस्तरां मालिक, जो सुनिश्चित करता है कि किसी मजदूर, स्टूडेंट, परिवार या बुजुर्ग यात्री को उचित कीमत पर पौष्टिक खाना मिले। कैश रजिस्टर में लेन-देन दर्ज होता है, लेकिन जिंदगी कुछ और भी दर्ज करती है- इसे 'पुण्य' कहते हैं।

फंडा यह है कि अगर आप मानते हैं कि आपको अपने ग्राहकों को सबसे हाइजीनिक खाना परोसना चाहिए, तो 'जिंदगी के बाद भी प्रॉफिट' शायद वास्तव में सफल फूड बिजनेस की सबसे सार्थक परिभाषा होगी।

अफसर और विशेषज्ञ खुद बैठेंगे कक्षा में:कमजोर पढ़ाई के लिए देंगे 'रेड' और बेहतर पर 'ग्रीन' कोड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में बच्चों के गिरते लर्निंग आउटकम्स (सीखने के स्तर) को सुधारने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग की तैयारी की है।

यह दफ्तरों में बैठकर समीक्षा करने के बजाय ग्राउंड पर जाकर होगी। इसके लिए राज्य स्तरीय एक टीम का गठन किया गया है। टीम में शामिल अफसर, विषय विशेषज्ञ जिनमें स्कूलों के प्राचार्य, प्रधान पाठक, लेक्चरर आदि होंगे। ये लोग जिलों के कम से कम 3 स्कूलों का खुद दौरा करेंगे।

साथ ही क्लास में बैठकर देखेंगे कि पढ़ाई का स्तर कैसा है। योजना के तहत पहले चरण में पांच जिलों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, महासमुंद और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-बलरामपुर का चयन किया गया है। टीम प्रत्येक जिले में हाई-परफॉर्मिंग, एवरेज और बिलो-एवरेज श्रेणी के कम से कम 3 स्कूलों का औचक मुआयना करेगी।

इसके आधार पर वे बच्चों की विषयवार दक्षता को जांचेंगे। राज्य स्तरीय टीम के कलर-कोडेड फीडबैक के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), बीईओ, बीआरसी, सीएसी और डाइट के अधिकारियों के साथ बैठकर सुधारात्मक कार्ययोजना बनाएंगे।

यह एक्शन प्लान तय समय-सीमा के भीतर समग्र शिक्षा विभाग और राज्य स्तरीय सुधारात्मक समिति को सौंपा जाएगा।

क्लासरूम में इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस

शिक्षक बच्चों से संवाद और प्रश्नोत्तरी कर रहे हैं या नहीं।

कमजोर बच्चों पर अलग से ध्यान दिया जा रहा है या नहीं।

टीएलएम (टीचिंग-लर्निंग मटेरियल), खेल और गतिविधि आधारित तकनीकों का उपयोग।

कक्षा तीसरी, छठवीं और नवीं का होगा मूल्यांकन

विशेषज्ञों की टीम कक्षा 3, 6 और 9 के विद्यार्थियों की भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में दक्षताओं का विश्लेषण करेगी। कमजोर प्रदर्शन वाली दक्षताओं को लाल (रेड) और बेहतर प्रदर्शन वाली दक्षताओं को हरे (ग्रीन) रंग से कोड किया जाएगा, ताकि कमजोर कड़ियों की तुरंत पहचान हो सके।

इनकी रिपोर्ट पर जिला शिक्षा अधिकारी सीएसी, बीआरसी, बीईओ और डाइट के अफसरों के साथ बैठकर सुधार का एक्शन प्लान तैयार करेंगे। इस एक्शन प्लान को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) समग्र शिक्षा को भेजेंगे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

तीसरे दिन भी नहीं मिला आदिल का कोई सुराग

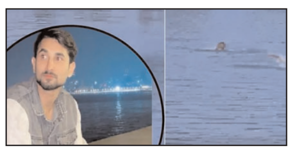

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रायपुर के माना इलाके स्थित ब्लू वॉटर टैंक में डूबे युवक आदिल खान का तीसरे दिन भी कोई पता नहीं चल पाया है। युवक की तलाश के लिए **SDRF** के साथ **NDRF** की टीम भी लगातार सर्चिंग अभियान चला रही है। खदान में पानी की गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। टीम लगातार पानी के अंदर और आसपास के इलाकों में तलाश कर रही है। दूसरी ओर, आदिल के परिजन लगातार उसके मिलने का इंतजार कर रहे हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जा रहा है कि आदिल अपने दोस्तों के साथ ब्लू वॉटर टैंक घूमने पहुंचा था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी में तैरने और खदान को पार करने को लेकर शर्त लगी। आदिल अपने एक दोस्त के साथ पानी में उतर गया। दोनों तैरते हुए आगे बढ़ रहे थे, लेकिन बीच में आदिल थक गया और अचानक पानी में डूब गया। पूरी घटना उसके दोस्तों के मोबाइल में रिकॉर्ड हो गई।

रायपुर एयरपोर्ट की जमीन का किसान ने 13000 करोड़ मांगा

पहले 3500 करोड़ क्लेम किया, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तहसीलदार करेगा अंतिम आदेश

रायपुर। रायपुर एयरपोर्ट की जमीन पर मालिकाना हक का दावा करने वाले किसान अश्विनी बांधे की कानूनी लड़ाई अब फैसले की ओर बढ़ रही है। 2018 तक करीब 3500 करोड़ रुपए का दावा करने वाले बांधे ने अब अपना क्लेम बढ़ाकर 13 हजार 173 करोड़ रुपए कर दिया है।

उनका कहना है कि यह राशि 1942 में जमीन के रिक्विजिशन (अस्थायी कब्जे में लेना) से लेकर अब तक के लीज अमाउंट, रिवाइज्ड कंपनसेशन और उस पर देय राशि की गणना के आधार पर तय की गई है।

बता दें कि अश्विनी बांधे ने स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और गार्डन की जमीन को अपने पूर्वजों की बताया है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश के बाद मामले में नया मोड़ आया है।

कोर्ट ने पुराने राजस्व रिकॉर्ड और दस्तावेजों की दोबारा जांच कर यह पता लगाने को कहा है कि जमीन रिक्विजिशन से पहले किसके नाम दर्ज थी। पुराने रिलीज ऑर्डर और जांच रिपोर्ट को भी देखा जाएगा। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार तहसीलदार को मामले में अंतिम आदेश देना है।

कहानी की शुरुआत 1942 के युद्धकालीन अधिग्रहण से

53 साल के किसान अश्विनी बांधे का दावा है कि उनके पूर्वजों की जमीन को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने सैन्य जरूरतों के लिए अस्थायी तौर पर अपने कब्जे में लिया था।

उस समय डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट के तहत देशभर में सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरफील्ड के लिए बड़ी मात्रा में जमीन रिक्विजिशन की गई थी। इसी प्रक्रिया के तहत रायपुर के माना एयरफील्ड के लिए भी जमीन ली गई।

बांधे के मुताबिक, उनके पूर्वजों की करीब 30 एकड़ 18 डिसमिल जमीन भी इसी प्रक्रिया में ली गई थी। उपलब्ध दस्तावेजों के मुताबिक जमीन के बदले 1300 रुपए प्रति एकड़ प्रतिमाह के हिसाब से राशि तय की गई थी।

उनका कहना है कि यह जमीन स्थायी रूप से सरकार को नहीं दी गई थी, बल्कि युद्धकालीन जरूरत खत्म होने के बाद इसे वापस किया जाना था। लेकिन युद्ध खत्म होने और देश की आजादी के बाद भी जमीन परिवार को वापस नहीं मिली। यहीं से परिवार की लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

1978 और 1987 में जमीन को रिक्विजिशन से रिलीज करने के आदेश जारी हुए, जबकि 1985 में रक्षा मंत्रालय ने उपयोग में नहीं आने वाली जमीन लौटाने के निर्देश दिए। इसके बावजूद परिवार को जमीन का कब्जा नहीं मिला और 2003 में अश्विनी बांधे ने कानूनी लड़ाई शुरू की।

2026 में मामला हाईकोर्ट से होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने पुराने राजस्व रिकॉर्ड और रिलीज ऑर्डर की दोबारा जांच के निर्देश दिए। 5 अगस्त 2026 को अश्विनी बांधे ने अपना क्लेम बढ़ाकर ?13,173 करोड़ कर दिया। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक तहसीलदार को मामले में अंतिम आदेश पारित करना है।

किसान ने 13 हजार करोड़ का नया क्लेम किया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मौजूदा तहसीलदार पुराने रिलीज ऑर्डर, राजस्व रिकॉर्ड और 2018-19 की जांच रिपोर्ट के आधार पर अंतिम आदेश पारित करेगा। ?13,173 करोड़ का आंकड़ा किसान का संशोधित क्लेम है, कोर्ट से तय मुआवजा नहीं। यह दस्तावेज अश्विनी बांधे ने उपलब्ध कराया है। 1987 के रिलीज ऑर्डर में मोहनलाल बांधे को जमीन वापस देने का उल्लेख है।

रायपुर में ट्रैफिक सुधारने कई जगहों पर लगेंगे सिग्नल

रायपुर। कलेक्ट्रेट में पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और **NCORD** की बैठक हुई। इसमें शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की ट्रैफिक व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। अलग-अलग जगहों पर जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति को देखते हुए सड़क, डिवाइडर, सर्विस रोड और ट्रैफिक सिग्नल से जुड़े कामों की समीक्षा की गई।

VIP रोड पर नो पार्किंग, धीरे चलें, गति सीमा, रॉन्ग साइड न चलें और सावधान क्रॉसिंग जैसे संकेतक बोर्ड लगाने की बात कही गई। श्रीराम मंदिर तिराहा से मंदिर तक बने अस्थायी डिवाइडर को स्थायी करने का प्रस्ताव है। तेलीबांधा चौक से किंग्सवे होटल रोड तक डिवाइडर और तेलगानी नाका क्षेत्र में गैरेजों के विस्थापन पर भी चर्चा हुई। जरूरत के अनुसार सर्विस रोड चौड़ी करने और नए सर्विस रोड बनाने के काम पर भी विचार किया गया।

7 जगहों पर सिग्नल लगाने की जरूरत

ट्रैफिक को आसान बनाने के लिए 7 जगहों पर नए सिग्नल लगाने की जरूरत बताई गई। इनमें द्रोणाचार्य स्कूल चौक-केनाल लिंकिंग रोड, कमल होटल के पास चौक, बोरियाकला तिराहा, अनुपम गार्डन चौक, धुप्पड़ पेट्रोल पंप के पास, एम्स गेट नंबर-4 के सामने और मंडी गेट तिराहा शामिल हैं। पंडरी कपड़ा मार्केट, पंडरी थाना के सामने दुबे कॉलोनी तिराहा और व्यास तालाब तिराहा क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

रायपुर में छाए रहेंगे बादल, छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिनों तक भारी बारिश की है संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर लगातार जारी है। प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई, जबकि कुछ शहरों में हल्की फुहारों से मौसम सुहावना बना रहा। सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के एक-दो जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं राजधानी रायपुर में पिछले दो दिनों में तापमान 26 डिग्री से बढ़कर करीब 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। पारा बढ़ने से लोगों को हल्की उमस का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ में मध्यम से भारी बारिश के आसार जताए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मौसमी वर्षा सामान्य से करीब 6 प्रतिशत कम है। इसके बावजूद अगले सात दिनों तक उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

प्रदीप मिश्रा ने जीन-जे को दिलाई शपथ: बोले- पीएम मोदी को गाली देना कैसा संस्कार?, माता-पिता बच्चों को गाड़ी नहीं, संस्कार दें

रायपुर/दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ के दुर्ग जिले के भिलाई में चल रही शिव महापुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने दिल्ली के जेन-जी प्रोटेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित गाली-गलौज को लेकर युवाओं के संस्कारों पर सवाल उठाए। उन्होंने व्यासपीठ से कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कह देना, ये कौन से संस्कार हैं?

इसके बाद कथा सुनने आए जेन-जी लड़के-लड़कियों को खड़ा कर देश की मर्यादा और संस्कारों को बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने व्यासपीठ से अपील करते हुए कहा बच्चों को कार भले मत दिलाओ। कार दिलाओगे तो बच्चे बेचकर खा जाएंगे। बच्चों को संस्कार दिलाओ तो वे कारों की लाइन लगा देंगे।

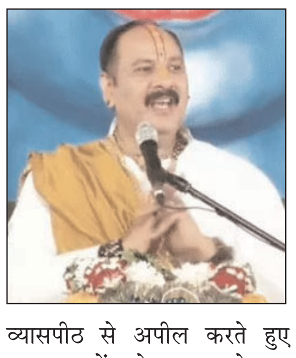

आज देखिए, क्या हो रहा है? कहीं न कहीं हमारे बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले हमने दिल्ली का नजारा देखा था। क्या संस्कार थे? भारत को विश्वगुरु बनाने की पहल करने वाले और विदेशों में भी जिस भारत का डंका बज रहा है, जो हर सनातनी के दिल में निवास करते हैं, ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी, जो राजगद्दी पर बैठे हैं, उन्हें तुम अपशब्द कह रहे हो। ये जेन-जी है? क्या ये आज की जनरेशन है? इसे संस्कार कहेंगे? '

प्रदीप मिश्रा ने कथा में मौजूद युवा लड़के-लड़कियों को खड़ा कराया और देश के प्रति जिम्मेदारी की शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं से भारत की मर्यादा और संस्कारों को बनाए रखने का संकल्प लेने को कहा।

शपथ के दौरान उन्होंने युवाओं से कहलवाया कि हम भारत के हैं और भारत हमारा है। भारत की मर्यादा और संस्कारों के लिए कभी हम अपनी शिक्षा को लज्जित नहीं होने देंगे। खूब पढ़ेंगे और छत्तीसगढ़ और देश को भी आगे बढ़ाएंगे। प्रदीप मिश्रा ने पेरेंट्स से कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दें, महंगे से महंगे कॉलेज में पढ़ाएं, अच्छे कपड़े और अच्छा भोजन दें, लेकिन इसके साथ उन्हें अच्छे संस्कार और ज्ञान भी दें।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं के नाम बढ़ी संपत्ति रजिस्ट्री, 50% शुल्क छूट से 76.95 करोड़ की बचत

रायपुर। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस अवधि में महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में करीब 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट मिलने से लोगों को आर्थिक राहत मिली है, जिसके चलते अब अधिक परिवार संपत्ति महिलाओं के नाम पर दर्ज कराने में रुचि दिखा रहे हैं। इससे महिलाओं की संपत्ति में भागीदारी बढ़ने के साथ उनके आर्थिक अधिकार भी मजबूत होने की उम्मीद है।

76.95 करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक लाभ

महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन पर 50 प्रतिशत शुल्क छूट से नागरिकों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला है। इस अवधि में लोगों को कुल 76 करोड़ 95 लाख 33 हजार 689 रुपये, यानी करीब 76.95 करोड़ रुपये की प्रत्यक्ष बचत हुई है।

महिलाओं के नाम संपत्ति कराने का बढ़ा रुझान

सरकार की ओर से पंजीयन शुल्क में दी जा रही छूट से महिलाओं के नाम संपत्ति दर्ज कराने को बढ़ावा मिला है। इसके चलते परिवारों में संपत्ति के स्वामित्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। पंजीयन के बढ़ते आंकड़े बताते हैं कि लोग इस सुविधा का लाभ उठाकर संपत्ति महिलाओं के नाम पर कराने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं।

योजना से महिलाओं को मिल रहा संपत्ति में अधिकार

महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन बढ़ने से उनके आर्थिक और संपत्ति संबंधी अधिकारों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पंजीयन शुल्क में छूट के कारण परिवारों के लिए जमीन, मकान या अन्य संपत्ति महिलाओं के नाम पर दर्ज कराना पहले की तुलना में अधिक आसान और किफायती हो गया है। इससे महिलाओं की संपत्ति में हिस्सेदारी बढ़ने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने की संभावना है।

घाटा बताकर एजेंसी ने बीच में छोड़ा काम:रेलवे स्टेशन पर स्कैनर बंद, बिना मशीन जांच रोज 600 पार्सल ट्रेनों में लोड

रायपुर। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहा है। रायपुर रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में सामान की जांच करने वाली स्कैनर मशीन बंद है। मशीन का संचालन करने वाली एजेंसी ने घाटा होने का हवाला देकर अचानक काम छोड़ दिया। इसके बाद रेलवे ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की।

ऐसे में पार्सल कार्यालय से सामान मशीन जांच के बिना ही देशभर में भेजा जा रहा है। यहां रोजाना करीब 600 कार्टन की बुकिंग होती है। इनमें कपड़े, किराना, ऑटो पार्ट्स, दवाइयां और अन्य व्यावसायिक सामग्री शामिल है। स्कैनिंग व्यवस्था बंद होने से पार्सल की सुरक्षा जांच की प्रक्रिया प्रभावित हुई है।

रायपुर स्टेशन का पार्सल कार्यालय शहर से दूसरे राज्यों तक व्यावसायिक सामान भेजने का प्रमुख माध्यम है। यहां से रोजाना करीब 600 कार्टन बुक होते हैं। कपड़े और किराना से लेकर ऑटो पार्ट्स, दवाइयां तथा दूसरी व्यावसायिक सामग्री ट्रेनों के जरिए भेजी जाती है।

पार्सल में भेजे जाने वाले सामान को पैक और सील करने के बाद मशीन से उसकी अंदरूनी सामग्री की जांच की जाती है। इससे पैकेट खोले बिना उसके भीतर रखी वस्तुओं की स्क्रीनिंग संभव होती है। रायपुर स्टेशन पर यह सुविधा बंद होने से पैक पार्सल की नियमित मशीन जांच नहीं हो पा रही है।

76 लाख का ठेका, तय समय से पहले एजेंसी ने छोड़ा काम

रेलवे के अफसरों के मुताबिक रेलवे ने 15 मई 2024 को पार्सल कार्यालय में स्कैनर मशीन के संचालन का ठेका बालाजी इंटरप्राइजेज को करीब 76 लाख में दिया था। अनुबंध की अवधि 14 मई 2029 तक थी। इसके बावजूद एजेंसी ने 16 अगस्त 2026 को काम बंद कर दिया। कंपनी ने घाटे को वजह बताया। एजेंसी के हटने के बाद मशीन का संचालन पूरी तरह रुक गया।

बुकिंग और परिवहन जारी

रायपुर रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में सामान की बुकिंग और उसे ट्रेनों से भेजने की प्रक्रिया जारी है। यानी रोजाना आने वाले पार्सल सामान्य प्रक्रिया से बुक होकर गंतव्य के लिए रवाना हो रहे हैं, लेकिन स्कैनिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। रेलवे ने नया टेंडर निकाला है। नई एजेंसी के चयन के बाद स्कैनिंग दोबारा शुरू की जाएगी। तब तक पार्सल की मशीन से होने वाली सुरक्षा जांच प्रभावित रहेगी।

जल्द हो जाएगी शुरू

टेंडर भरते समय एक ऑप्शन रहता है कि यदि कंपनी को घाटा लग रहा है तो वह काम छोड़ सकती है। कंपनी को घाटा हो रहा था, इसलिए उसने काम छोड़ दिया। टेंडर निकाला गया है। जल्द ही नई कंपनी के चयन के बाद स्कैनिंग दोबारा शुरू की जाएगी। **-सुस्कर विपुल बिलासराव, सीनियर डीसीएम, रायपुर**

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और सक्रियता का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे होने की संभावना है। किसी नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। अनावश्यक खर्चों से बचें और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर धन का उपयोग करें।

वृषभ। आज नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और सक्रियता का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे होने की संभावना है। किसी नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। अनावश्यक खर्चों से बचें और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर धन का उपयोग करें।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बनी रह सकती है। एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने से समय प्रबंधन की आवश्यकता होगी। पुराने मित्रों या परिचितों से संपर्क आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। किसी महत्वपूर्ण काम में उनका अनुभव या सहयोग आगे बढ़ने में मदद करेगा। व्यापार में पुराने संपर्कों से नया अवसर मिलने की संभावना है।

कर्क। आज आपकी मेहनत रंग ला सकती है। लंबे समय से अटका हुआ धन मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छी तरह संभालने में सफल रहेंगे। अधिकारियों की ओर से सहयोग और मार्गदर्शन मिल सकता है। व्यापारियों के लिए पुराने सौदों से लाभ के संकेत हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से वातावरण प्रसन्न रहेगा।

सिंह। आज मान-सम्मान में वृद्धि होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा हो सकती है और वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता पर भरोसा जताएंगे। नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना भी बन रही है। हालांकि किसी महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय लेते समय जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। भावनाओं में बहकर लिया गया फैसला बाद में परेशानी पैदा कर सकता है। व्यापारियों को कोई अच्छा प्रस्ताव मिल सकता है।

कन्या। सूर्य के आपकी राशि में आने से आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में वृद्धि हो सकती है। आपकी योजनाएं धीरे-धीरे फलीभूत होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रयासों से प्रभावित होंगे। व्यापार में नई योजना शुरू करने का विचार सफल हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है, लेकिन खर्चों को नियंत्रित रखना जरूरी होगा। परिवार में किसी सदस्य की उपलब्धि से खुशी मिलेगी।

तुला। आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप महत्वपूर्ण कार्यों को पूरे उत्साह के साथ पूरा करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली से अधिकारी और सहकर्मी प्रभावित हो सकते हैं। किसी पुराने प्रोजेक्ट में सफलता मिलने की संभावना है। रिश्तों में मधुरता आएगी और परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम संबंधों में चल रही गलतफहमियां बातचीत से दूर हो सकती हैं।

वृश्चिक। आज आपकी छुपी हुई मेहनत की सराहना हो सकती है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का परिणाम मिलने की संभावना है। वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता को पहचानेंगे और नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। व्यापार में भी पुराने प्रयासों से लाभ मिल सकता है। हालांकि किसी बात को लेकर भ्रम की स्थिति बन सकती है, इसलिए बिना पूरी जानकारी के कोई निष्कर्ष न निकालें। आर्थिक मामलों में संतुलित रवैया अपनाएं।

धनु। आज सही संपर्क और नेटवर्किंग से आपको लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में उपयोगी साबित हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारियों के लिए नए ग्राहक और व्यावसायिक संपर्क लाभकारी रहेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, लेकिन अचानक होने वाले खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर। आज कामकाज की अधिकता बनी रह सकती है। कई जिम्मेदारियां एक साथ मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन मेहनत के अच्छे परिणाम भी प्राप्त होंगे। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से काम आसान होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। आय के साथ खर्च भी बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलें। व्यापार में किसी पुराने सौदे से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें, क्योंकि आपकी व्यस्तता के कारण अपनों को समय कम मिल सकता है।

कुंभ। आज पार्टनरशिप के कार्यों में अच्छी ग्रोथ मिलने की संभावना है। व्यापारिक साझेदार के साथ बेहतर तालमेल बनेगा और किसी महत्वपूर्ण योजना को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। संवाद बेहतर होने से पुरानी गलतफहमियां भी दूर होंगी। नौकरीपेशा लोगों को टीम के साथ काम करने से लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। जीवनसाथी या किसी करीबी व्यक्ति से महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है।

मीन। श्रावण पुत्रदा एकादशी के प्रभाव से आज मन में शांति और स्थिरता का अनुभव हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर जाने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य रहेगी और पुराने काम पूरे होने की संभावना है। व्यापारियों को लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश करने से बचें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और अपनों का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन सकारात्मक रहेगा और एकाग्रता बेहतर हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, फिर भी खान-पान और आराम का ध्यान रखें।

धनिया की खेती से महीने के कमा रहे 3 लाख

खेती में आधुनिक तकनीक से बदली तकदीर, 15 स्थानीय महिलाओं को भी मिला रोजगार

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के गांडेय प्रखंड स्थित मानियाडीह गांव के किसान भूषण प्रसाद वर्मा ने आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर खेती को लाभप्रद बनाया है।

वे धनिया की खेती से एक माह में 2 से 3 लाख रुपए की कमाई कर ले रहे हैं। अब वो अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

भूषण प्रसाद वर्मा मुख्य रूप से धनिया की खेती करते हैं। वे मेड़ बनाकर खेती करने की सलाह देते हैं, जिससे उत्पादन बेहतर होता है।

मेड़ पर फसल लगाने से पानी से सड़ने की समस्या कम होती है और खरपतवार भी नियंत्रित रहते हैं।

भूषण वर्मा ने इस वर्ष धनिया की खेती के लिए 3 क्विंटल बीज लगाने का लक्ष्य रखा है।

भूषण वर्मा ने इस वर्ष धनिया की खेती के लिए 3 क्विंटल बीज लगाने का लक्ष्य रखा है।

80 किलो बीज की बुआई हो चुकी

सिंचाई के लिए वे स्प्रिंकलर (फुहारा सिंचाई) यंत्र का उपयोग करते हैं, जिससे पानी की बचत होती है और फसल को आवश्यकतानुसार पानी मिल जाता है। भूषण के बेटे प्रदीप वर्मा के अनुसार, इस वर्ष उन्होंने धनिया की खेती के लिए लगभग तीन क्विंटल बीज लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 80 किलो बीज की बुआई हो चुकी है।

वे साल में कई बार धनिया की फसल लेते हैं और इस वर्ष अब तक तीन बार खेती कर चुके हैं। उनकी मेहनत और आधुनिक तकनीक से खेतों में अच्छी पैदावार मिल रही है।

किसान भूषण प्रसाद वर्मा बताते हैं कि उनकी धनिया की फसल का उत्पादन लगभग 200 क्विंटल तक पहुंच जाता है।

इससे उन्हें हर महीने करीब दो से तीन लाख रुपए की आय होती है। उनके खेतों में उगाई गई धनिया की मांग गिरिडीह जिले के साथ-साथ झारखंड के कई अन्य जिलों और पश्चिम बंगाल के आसनसोल तक है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ा

भूषण प्रसाद वर्मा की खेती केवल उनके परिवार की ही आर्थिक स्थिति को मजबूत नहीं कर रही, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार का भी जरिया बनी है। उनकी खेती में लगभग 10 से 15 स्थानीय महिलाओं को काम मिलता है।

भूषण बताते हैं कि धनिया का बाजार भाव मौसम और मांग के अनुसार लगातार बदलता रहता है। कभी धनिया 300 रुपए किलो तक बिक जाता है, तो कभी इसका भाव घटकर 50 रुपए किलो तक पहुंच जाता है। इसके बावजूद आधुनिक कृषि तकनीक, बेहतर उत्पादन और बाजार की सही समझ के बल पर उन्होंने खेती को आर्थिक मजबूती और रोजगार का माध्यम बना लिया है।

स्वर्णरेखा नदी किनारे अतिक्रमण पर चला बुलडोजरः मानगो में नदी से सटे तीन मकान ध्वस्त, पहले ही दिया गया था नोटिस

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो स्थित कुंवर बस्ती इलाके में शुक्रवार को प्रशासन ने स्वर्णरेखा नदी किनारे अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान नदी से सटे तीन मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई। हालांकि, पुलिस की पर्याप्त तैनाती के कारण स्थिति नियंत्रण में रही।

अंचलाधिकारी (सीओ) बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि ध्वस्त किए गए मकानों के मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे। निर्धारित समय-सीमा में निर्माण नहीं हटाने के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया। प्रशासन का तर्क है कि स्वर्णरेखा नदी के किनारे अवैध निर्माण नदी क्षेत्र के लिए खतरा बन रहे हैं, इसलिए इन्हें हटाना आवश्यक है।

प्रशासन पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई का आरोप

इस कार्रवाई से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वे अतिक्रमण हटाने के विरोधी नहीं हैं, लेकिन नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वर्णरेखा नदी के किनारे कई बड़े भवन और व्यावसायिक प्रतिष्ठान वर्षों से मौजूद हैं, जिन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नदी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराना ही उद्देश्य है, तो प्रभावशाली लोगों के निर्माणों पर भी समान रूप से कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

निवासियों ने प्रशासन से पूरे मानगो क्षेत्र में नदी किनारे स्थित सभी निर्माणों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जहां भी अवैध कब्जा मिले, वहां बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाए और जिन परिवारों के मकान तोड़े गए हैं, उनके पुनर्वास और वैकल्पिक आवास की व्यवस्था पर भी विचार किया जाए। इस कार्रवाई के बाद मानगो में नदी क्षेत्र के अतिक्रमण और प्रशासनिक कार्रवाई की निष्पक्षता को लेकर बहस तेज हो गई है।

हाईकोर्ट ने पूछा-जांच में ऐसा क्या मिलाः अब सीजीएल-सीडीपीओ की नियुक्ति रद्द करने पर रोक लगाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को जेएसएससी सीजीएल और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) की नियुक्ति रद्द करने के सरकार के आदेश पर रोक लगा दी। इससे सीजीएल पास 1932 और 64 सीडीपीओ को बड़ी राहत मिली है। अब वे पहले की तरह काम कर सकेंगे। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने सरकार से पूछा कि सीआईडी जांच में ऐसा क्या मिला, जिसके आधार पर नियुक्ति रद्द करने की जरूरत पड़ी। सरकार सात सितंबर तक शपथ पत्र के माध्यम से बताए। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

इससे पहले सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता इन्द्रजीत सिन्हा, अमृतांश वत्स, प्रेरणा झुनझुनवाला ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने रातोंरात प्रार्थियों को बेरोजगार कर दिया। जब भी नियमित नियुक्ति होती है तो संबंधित कर्मचारी-पदाधिकारी को नौकरी से हटाने के लिए निहित प्रक्रिया का पालन किया जाता है। उनका पक्ष भी सुना जाता है। लेकिन सरकार ने न तो मामले की जांच पूरी होने का इंतजार किया, न किसी को नोटिस दिया और न उनका पक्ष सुना। अचानक नियुक्ति रद्द करने की अधिसूचना जारी कर दी गई। यह नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें उनकी नियुक्ति अंतिम परिणाम से प्रभावित होने की बात कही गई थी। कोर्ट को बताया गया कि जांच में ऐसा कौन सा तथ्य सामने आया है, जिसके आधार पर सरकार ने मान लिया है कि सभी अभ्यर्थी गड़बड़ी में शामिल थे। यह तो ट्रायल के अंतिम आदेश से प्रभावित होगा। ऐसे में गड़बड़ी की बात कहते हुए नियुक्ति रद्द करने का आदेश असंवैधानिक है।

2394 कर्मियों को सेवा से हटाने का आदेश जारी नहींःदिन भर वेट एंड वाच की स्थिति में रहे सभी अधिकारी-कर्मचारी, बनी रही गहमा-गहमी

रांची। 2394 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा से हटाने का कोई विधिवत आदेश गुरुवार को संबंधित विभागों से जारी नहीं हुआ। इस विषय पर अधिकारी दिन भर वेट एंड वाच की स्थिति में रहे।

इस बीच, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत खाद्य आपूर्ति विभाग में काम शुरू किया गया है। सीडीपीओ का चल रहा प्रशिक्षण बंद हो गया है। सचिवालय में गुरुवार को दिन भर गहमा-गहमी बनी रही। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने उप समाहर्ता, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी और निम्न वर्गीय लिपिक को सरकार द्वारा दो दिन पूर्व जारी आदेशों के आलोक में सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी नहीं किया। हालांकि इस संबंध में फाइल ऊपर बढ़ी, लेकिन उस पर कोई आदेश नहीं हुआ।

सभी की नजरें झारखंड हाईकोर्ट में दायर केस के निर्णय पर लगी रही। मालूम हो कि मंगलवार की देर रात झारखंड सरकार के दो महत्वपूर्ण आदेश से 2394 पदों पर कार्यरत लोगों के सेवा में बने रहने पर संकट खड़ा हो गया था। इसका असर गुरुवार को सचिवालय के कई विभागों में दिखा। अधिकतर विभागों में सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों ने काम नहीं किया। वे धरना-प्रदर्शन करते रहे। उप समाहर्ता रैंक के 207 अधिकारियों को हटाने पर कोई विधिवत निर्णय नहीं हुआ। हाईकोर्ट के स्टे ऑर्डर के बाद दोपहर से सचिवालय का माहौल में बदलाव दिखा। नवनियुक्त डिप्टी कलेक्टर का प्रोबेशन और देवघर श्रावणी मेले में हुई प्रतिनियुक्ति रद्द नहीं हुई है।

सीडीपीओ का चल रहा प्रशिक्षण बंद समाज कल्याण सचिव उमाशंकर सिंह ने बताया कि कार्मिक विभाग का आदेश जारी होने के बाद नवनियुक्त सीडीपीओ का चल रहा प्रशिक्षण बंद कर दिया गया है। इधर, खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि 6 माह पूर्व जिस तरह से खाली प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के पदों के विरुद्ध विकल्प से काम चलाया जा रहा था। उसी तरह की व्यवस्था फिर से लागू कर दी गई है।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षा विवाद : मेन रोड में बवाल, सदर अस्पताल में घुसे छात्रों को पुलिस ने खदेड़ा

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षा विवाद को लेकर शुक्रवार शाम जमकर बवाल हुआ। शाम 7:10 बजे अल्बर्ट एक्का चौक पर पुतला दहन करने जा रहे जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के विद्यार्थियों से कुछ लोगों ने पुतला छीन लिया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मौके पर मौजूद जवानों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली और छात्रों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद छात्र शहीद चौक होते हुए शाम 7:35 बजे कचहरी चौक पहुंचे। वहां बीच सड़क पर दूसरा पुतला फूंका और नारेबाजी की।

पुलिस की सख्ती के बाद छात्र रात 8:25 बजे इलाज कराने की बात कहकर सदर अस्पताल पहुंचे। भारी भीड़ देख अस्पताल प्रबंधन ने मुख्य गेट बंद कर दिया। इस पर छात्र गेट पर ही धरने पर बैठ गए। मरीजों व एंबुलेंस का रास्ता बंद होने पर पुलिस ने हटने की अपील की। बात न बनने पर सिटी डीएसपी के निर्देश पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर छात्रों को खदेड़ा। कोतवाली एएसपी निखिल राय और सिटी डीएसपी केवी रमण ने अस्पताल परिसर में जांच कर सभी प्रदर्शनकारियों को बाहर निकाला। मेन रोड में रोकने के दौरान छात्रों व पुलिस में तीखी झड़प हुई। आक्रोशित लोगों ने सुखदेवनगर थानेदार की वर्दी फाड़ दी। धक्का-मुक्की में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। वहीं छात्रों का आरोप है कि चोट लगने पर वे इलाज कराने अस्पताल गए थे, जहां पुलिस ने गेट बंद कर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			3				6	
	6	4			1		2	
			5					
	2	3		5		6		
		9	8		3	7		
		8		9		1	4	
					9			
	1		4			8	9	
	5				7			

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

विमान हादसे में साहसिक कार्य के लिए सम्मानः रांची की अर्चना रेशमा मिंज को राष्ट्रपति पुलिस पदक

रांची। सीआईएसएफ की डिप्टी कमांडेंट रांची की अर्चना रेशमा मिंज को स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस से सम्मानित किया गया है। वह अभी अहमदाबाद एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था की ? जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

अर्चना मूल रूप से रांची के कोनका, सिरमटोली की रहने वाली हैं। उन्होंने 2002 में एसएससी सीजीएल-1999 के माध्यम से सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के रूप में सेवा शुरू की। हैदराबाद में प्रशिक्षण के बाद उन्होंने कमांडो ट्रेनिंग भी ली। सेवा के दौरान उन्होंने दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट, बेंगलुरु एयरपोर्ट, आरटीसी बरवाहा और बोकारो स्टील प्लांट सहित विभिन्न स्थानों पर जिम्मेदारी निभाई। उनके सेवा जीवन का सबसे उल्लेखनीय अध्याय 12 जून 2025 का अहमदाबाद एयर इंडिया AI-171 विमान हादसा रहा। हादसे के करीब 20 मिनट के भीतर वह घटनास्थल पहुंचीं और आग, धुएं व मलबे के बीच राहत एवं बचाव अभियान का नेतृत्व किया।

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड से हारा भारत: पेनल्टी कॉर्नर पर गोल के मौके गंवाए, ऑस्ट्रेलिया से जीतना होगा

भारतीय महिला हॉकी टीम हॉकी वर्ल्ड कप के राउंड-2 का पहला मैच हार गई है। उसे वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड ने 2-0 के अंतर से हराया। इसी के साथ मेजबान टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

इस हार के बाद इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगला मैच जीतना जरूरी हो गया है। जोकि 23 अगस्त को रात 10:30 बजे से खेला जाएगा।

नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में शुक्रवार को भारतीय टीम 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद टीम वापसी नहीं कर सकी। मेजबान टीम से यिबी यानसन और फ्रेंडरिक माटला ने एक-एक गोल किए। नीदरलैंड्स की महिला टीम ने तेज शुरुआत की। सर्कल के अंदर सुशीला के पैर पर गेंद लगने के बाद नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला। यिबी यानसन ने इस मौके को गोल में बदल दिया।

यानसन ने जोरदार ड्रैगफ्लिक लगाई, जो पोस्ट डिफेंडर के पैरों के बीच से निकलकर गोल में चली गई। यह टूर्नामेंट में यानसन का 7वां गोल है और उनके सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं।

हाफ टाइम तक भारतीय टीम 0-1 से पीछे चल रही थी। हालांकि, टीम ने शुरुआती मिनट में गोल खाने के बाद नीदरलैंड्स के हमलों का मजबूती से सामना किया। बिचु देवी और सविता ने दोनों क्वार्टर में कुछ शानदार बचाव किए।

19वें मिनट में नीदरलैंड्स के 5 मीटर फाउल के कारण भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। दीपिका ने ड्रैगफ्लिक लगाई, लेकिन गेंद डिफेंडर के पैर से टकरा गई। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। अगले प्रयास में गेंद नीदरलैंड्स की फर्स्ट रनर की स्टिक से लगकर बाहर चली गई।

38वें मिनट में नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला। बाएं छोर से सर्कल में प्रवेश करने की कोशिश कर रहीं सैंडर्स का शॉट भारतीय डिफेंडर के पैर से टकराया।

पेनल्टी कॉर्नर पर फ्रेंडरिक माटला ने जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में दूसरा गोल दागा। तीसरे क्वार्टर के बाद स्कोर 2-0 रहा।

नवनीत का शॉर्ट, गोलकीपर के हेलमेट पर लगा

59वें मिनट में भारतीय टीम ने गोल का अच्छा मौका मिलाया। नवनीत कौर ने सेंटर से पास लिया और जोरदार हिट लगाई, लेकिन नीदरलैंड्स की गोलकीपर विनेंदाल ने शानदार बचाव किया।

गेंद विनेंदाल के हेलमेट से टकराकर बाहर चली गई। इस बचाव के दौरान विनेंदाल को चोट लगी। वे कुछ समय बाद उठकर दोबारा गोलकीपिंग करने लगी। इस तरह आखिरी क्वार्टर गोल रहित रहा।

बिजनेस न्यूज

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं: एक महीने में कीमत 55 पार, अक्टूबर में 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।

खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।

चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।

पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12% से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9% रह गया है।

मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75% हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29 मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही:सोना 8,257 बढ़कर 1.61 लाख पर पहुंचा, चांदी 12,788 महंगी होकर 2.47 लाख किलो हुई

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 8,257 रुपए बढ़कर 1.61 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 14 अगस्त को 1.52 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.34 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.47 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 12,788 रुपए बढ़ी है।

सोना इस साल ?28 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 28 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्र सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.47 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है।

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

रोनाल्डो ने लगातार 25 सीजन में गोल किया:ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने, इब्राहिमोविच को पीछे छोड़ा

क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 25 सीजन में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के दिग्गज फुटबॉलर ज्लातान इब्राहिमोविच का लगातार 24 सीजन में गोल करने का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 21 अगस्त को सऊदी प्रो लीग में अल नास्त्र ने अल रियाद को 4-0 से हराया। 41 साल के रोनाल्डो सब्स्टीट्यूट के तौर पर 62वें मिनट में मैदान पर उतरे और 83वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया। यह उनके प्रोफेशनल करियर का 977वां गोल है। रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल करियर के 25वें सीजन की शुरुआत भी गोल के साथ की। उन्होंने 2002-03 सीजन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए अपना पहला गोल किया था। इसके बाद वह हर सीजन में कम से कम एक गोल करने में कामयाब रहे हैं।

62वें मिनट में मैदान पर आए, 83वें में गोल किया

अल रियाद के खिलाफ रोनाल्डो को शुरुआती प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। वह 62वें मिनट में मैदान पर आए। उस समय अल नास्त्र 3-0 से आगे थी। 83वें मिनट में आयमन याह्या के लो क्रॉस पर रोनाल्डो ने 8 यार्ड की दूरी से गोल किया।

इब्राहिमोविच का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा

इब्राहिमोविच ने 1999 से 2022-23 तक लगातार 24 सीजन में गोल किए थे। रोनाल्डो ने अब लगातार 25 सीजन में गोल कर उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

अल नास्त्र के लिए यह रोनाल्डो का सभी प्रतियोगिताओं में 130वां गोल है। वह अपने करियर के 1,000 गोल के आंकड़े के भी करीब पहुंच गए हैं।

अल नास्त्र के लिए अब्दुलइलाह अल-अमरी, एंजेलो गैब्रिएल, जोआओ फेलिक्स और रोनाल्डो ने गोल किए। टीम ने अल रियाद को 4-0 से हराया।

नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे:88.05 मीटर भाला फेंका, श्रीलंकाई रुमेश पथिरागे ने खिताब जीता

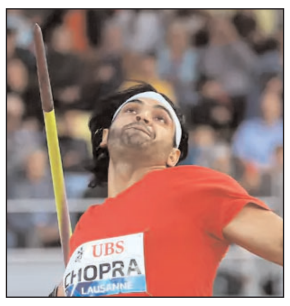

लुसाने। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर भाला फेंका।

28 साल के नीरज ने दूसरे प्रयास में पिछले एक साल का सबसे बेहतर थ्रो फेंका। यह उनके इस सीजन का भी सबसे अच्छा थ्रो रहा।

लेकिन, वे श्रीलंका के रुमेश पथिराजे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रहे। पथिरागे ने 88.14 मीटर के साथ खिताब जीता। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पथिरागे ने पिछले महीने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड जीता था और नीरज को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था।

23 साल के रुमेश पथिराजे ने तीसरे राउंड में 88.14 मीटर का थ्रो किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने नीरज को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया और खिताब जीता।

पथिराजे इस सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लुसान में उन्होंने नौ खिलाड़ियों के स्टार खिलाड़ियों से सजे मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

नीरज का 88.05 मीटर का थ्रो जून 2025 में पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान किए गए 88.16 मीटर के प्रदर्शन के बाद सबसे अच्छा रहा।

मेंस हॉकी वर्ल्ड कप: ओलिंपिक चैंपियन नीदरलैंड से भिड़ेगा भारत: हारा तो सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल; इंग्लैंड के खिलाफ हार मिली थी

मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में आज भारत का सामना मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन नीदरलैंड से होगा। टीम दूसरे राउंड के पूल-श्व में अपना पहला मैच खेलेगी। मैच शाम 7:30 बजे से वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत पूल-**E** में इंग्लैंड, नीदरलैंड और अर्जेंटीना के साथ है। टीम नीदरलैंड और अर्जेंटीना के साथ मैच खेलेगी। भारत पहले राउंड में इंग्लैंड से खेल चुका है, जिसमें उसे हार मिली थी।

नए फॉर्मेट के अनुसार टॉप-8 में शामिल टीमें अगर पहले राउंड में खेल चुकी हैं, तो उनका मैच दूसरे राउंड में नहीं होगा।

पिछले मैच का रिजल्ट दूसरे राउंड में जोड़ा जाएगा। इसके हिसाब भारत पूल-श्व में एक हार के साथ तीसरे स्थान पर है। उसके लिए अब दोनों मैच जीतने जरूरी है।

भारत ने पहले राउंड में तीन में से 2 मैच जीते थे। टीम ने वेल्स और पाकिस्तान को हराया था।

अगर टीम यह मैच हारती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड अपने बचे दोनों मैच हार जाए। फिर भारत को अर्जेंटीना से बड़े अंतर से जीतना होगा।

दूसरी ओर नीदरलैंड पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। टीम ने पहले राउंड में न्यूजीलैंड को 5-1, अर्जेंटीना को 3-1 और जापान को 4-1 से हराया था।

भारत के लिए अच्छी बात है कि उसने इसी साल जून में खेले गए हॉकी प्रो-लीग के आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड को 3-2 से हराया था। इस मैच में जुगराज सिंह, अभिषेक और राजिंदर सिंह ने गोल किए थे। ये तीनों खिलाड़ी वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में लड़ने वाले 4 खिलाड़ी बैन: परेडेस 10, मोलिना 7 मैच नहीं खेलेंगे, अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ी भिड़े थे

फीफा ने फुटबॉल वर्ल्ड कप फाइनल में लड़ाई करने वाले 4 खिलाड़ियों पर बैन लगाया है। इनमें अर्जेंटीना के तीन और स्पेन का एक खिलाड़ी शामिल हैं।

19 जुलाई को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर स्पेनिश प्लेयर्स से लड़ना शुरू कर दिया था। इस घटना के करीब एक महीने बाद फीफा ने कारवाई की है।

वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे कड़ी सजा

लिएंड्रो परेडेस: 10 मैच का बैन और 90 हजार डॉलर का जुर्माना।

नाहुएल मोलिना : 7 मैच के लिए सस्पेंड, 90 हजार डॉलर का जुर्माना।

थियागो अल्मादा : एक मैच का बेन, 30 हजार डॉलर का जुर्माना।

पाब्लो मार्टिन गावी : एक मैच का प्रतिबंध, 30 हजार डॉलर का जुर्माना।

झड़प में क्या हुआ?

परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप था। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का मारने की कोशिश का आरोप था।

इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

अर्जेंटीना के कोच रॉबर्टो अयाला पर भी 3 मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर 30 हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर वर्ल्ड कप के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 1.10 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

इनमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड द्वीप को लेकर राजनीतिक बैनर ले जाना, फैंस के भेदभावपूर्ण नारे जैसे मामले शामिल हैं। **FIFA** ने **AFA** को नस्लवाद विरोधी प्रोजेक्ट्स पर 1 लाख डॉलर खर्च करने का आदेश दिया है।

AFA प्रतिबंधों और जुर्माने के खिलाफ **FIFA** में अपील कर सकता है। वह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में भी अपील कर सकता है।

मैच का इकलौता गोल फेरान टोरेस ने दागा था। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम के 107वें मिनट में स्कोर किया था। निको विलियम्स ने दूर से आए क्रॉस पर बैक पोस्ट पर शानदार हेडर से गेंद नीचे गिराई। इस पर फेरान टोरेस ने रनिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंच दिया।

शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने पर सरकार का विशेष जोर

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग की विगत दो वर्षों की विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों को लेकर आज छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम, अटल नगर, नवा रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस को स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। इस दौरान विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों की उपलब्धता एवं पदोन्नति, भर्ती प्रक्रिया, विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं, विद्यालय अधोसंरचना, बहुभाषी शिक्षा तथा तकनीक आधारित मॉनिटरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि विगत दो वर्षों में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा व्यवस्था को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम, समावेशी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के प्रावधानों के अनुरूप 10,538 विद्यालयों का समायोजन किया गया। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से 15,165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का समायोजन किया गया। 453 शिक्षकविहीन विद्यालयों में शिक्षकों की पूर्ति तथा 4,729 एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। शिक्षकों की पदोन्नति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। टी संवर्ग में 1,335 तथा ई संवर्ग में 1,478, कुल 2,813 पदों पर प्राचार्यों की पदोन्नति की गई। टी संवर्ग में 1,798 व्याख्याताओं की पदोन्नति तथा विगत दो वर्षों में विभिन्न पदों पर 7,000 से अधिक पदोन्नतियां की गई हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए स्पेशल एजुकेटर के 848 पद स्वीकृत किए गए। वर्ष 2025 में 62 पदों पर सीधी भर्ती से नियुक्ति की गई। विगत दो वर्षों में 2,104 शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती की गई है। इसके अतिरिक्त 5,000 शिक्षकीय पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में है। स्वामी आत्मानंद एवं विवेकानंद विद्यालयों में 3,000 से अधिक पदों पर संविदा भर्ती प्रक्रिया भी जारी है। मंत्री यादव ने बताया कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय एवं अन्य शासकीय संस्थाओं में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक संविदा पदों की भर्ती के लिए राज्य स्तरीय ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की शुरुआत की गई है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के 1,895 तथा स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय के 1,171, कुल 3,066 पदों पर संविदा भर्ती प्रक्रिया प्रचलित है। सीबीटी के माध्यम से भर्ती में पारदर्शिता और कम समय में परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

15 जुलाई 2024 से विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई। कक्षा 1 एवं 2 की हिंदी पुस्तकों में बारहखड़ी को शामिल किया गया। कक्षा 1 एवं 2 के लिए 16 स्थानीय तथा 4 अंतरराज्यीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया। कक्षा 1, 2, 3 एवं 6 के विषयों की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों का अनुकूलन किया गया है। कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए सहायक वाचन सामग्री भी विकसित की गई है।

बिहान समूह की महिलाओं ने हुनर को बनाया आमदनी का जरिया

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर जिले के ग्राम फुलवारी की सरस्वती स्व सहायता समूह की महिलाएं स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। महिलाएं एक ओर बकरी पालन को आय का स्थायी साधन बनाने की दिशा में कार्य कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय संसाधनों और अपने हुनर का उपयोग कर पर्व-त्योहारों के अवसर पर अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर रही हैं।

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सरस्वती स्व सहायता समूह की महिलाओं ने आकर्षक राखियां तैयार कर अपने हुनर को बाजार तक पहुंचाया। महिलाओं द्वारा स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर विभिन्न प्रकार की सुंदर राखियां तैयार की गईं। समूह की महिलाओं ने कलेक्टोरेट के सामने राखी विक्रय के लिए स्टॉल लगाया, जहां जनदर्शन में पहुंचे आमजनों ने महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की खरीदारी की और उनके हुनर की सराहना की। राखियों की बिक्री से महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई, वहीं अपने हाथों से तैयार उत्पाद को लोगों द्वारा पसंद किए जाने से उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई।

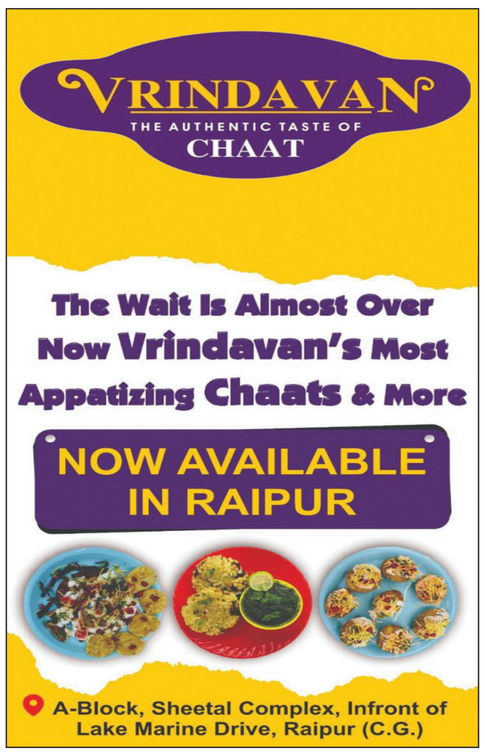

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा का गरिमामय समापन

फिजिकल कॉलेज मैदान के जीर्णोद्धार के लिए 20 लाख और पतगांवा में सीसी रोड के लिए 10 लाख रुपये की घोषणा

रायपुर। चार दिवसीय 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आज मल्टीपर्पस स्कूल पेंड्रा के असेंबली हॉल में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ गरिमामय एवं सुखद समापन हुआ। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के पांचों संभागों से 540 खिलाड़ियों तथा 100 से अधिक अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लेकर विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, कबड्डी एवं क्रिकेट की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर संभाग ओवरऑल चैंपियन रहा।

समापन समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गौरेला, अनीता शिक्षा निकेतन गौरेला तथा कुंजनबाई चौक से स्कूल अमरपुर पेंड्रा की छात्राओं ने पारंपरिक परिधान में लोकगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति की मनोहारी छटा बिखेरी।

मुख्य अतिथि सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल में हार नहीं होती, खिलाड़ी या तो जीतते हैं या फिर सीखते हैं। खेल स्वस्थ जीवनशैली के लिए आवश्यक है। इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, भाईचारा और सद्भावना की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जो सराहनीय है। सांसद श्रीमती महंत ने खिलाड़ियों को जीवन में कभी हार न मानने तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान जीवन में संघर्ष, अनुशासन, टीम भावना और निरंतर प्रयास की सीख देता है।

अब गांव में ही मिलेगी बैंकिंग सुविधा, सुकमा के 39 अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों को माइक्रो एटीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच के अनुरूप शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में सुकमा जिले में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की पहल की गई है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन में जिले के 39 अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के ग्राम स्तरीय उद्यमियों को माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराए गए हैं।

जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर ने शुक्रवार को ग्राम स्तरीय उद्यमियों को माइक्रो एटीएम वितरित किए। इस सुविधा के शुरू होने से अब ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर स्थित बैंक शाखाओं तक जाने की जरूरत नहीं होगी।

धान की राशि सहित योजनाओं की राशि गांव में ही निकाल सकेंगे

माइक्रो एटीएम के माध्यम से किसान और ग्रामीण अपने गांव के अटल डिजिटल सुविधा केंद्र पर ही एटीएम कार्ड से आसानी से राशि निकाल सकेंगे। धान बिक्री से मिलने वाली राशि के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से प्राप्त होने वाली राशि की नगद निकासी भी गांव में ही की जा सकेगी। इससे ग्रामीणों का समय और आने-जाने का खर्च बचेगा। खासकर दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी।

बैंकिंग सुविधा से ग्रामीणों को मिलेगी राहत

माइक्रो एटीएम की सुविधा से ग्रामीणों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए बैंक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। यह पहल गांवों में डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेगी।

पीएम सूर्य घर योजना से रोशन हो रहा भविष्य

रायपुर। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना दंतेवाड़ा जिले के लोगों के लिए बिजली बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैय्या की सरकार की योजना से प्रेरित होकर दंतेवाड़ा निवासी प्रफुल्ल देवी नेताम ने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट लगाया है। बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैय्या की सरकार की योजना से उत्साहित होकर प्रफुल्ल देवी नेताम ने बताया कि सोलर प्लांट लगाने के लिए उन्होंने बैंक से करीब 4 लाख रुपये का ऋण लिया है।

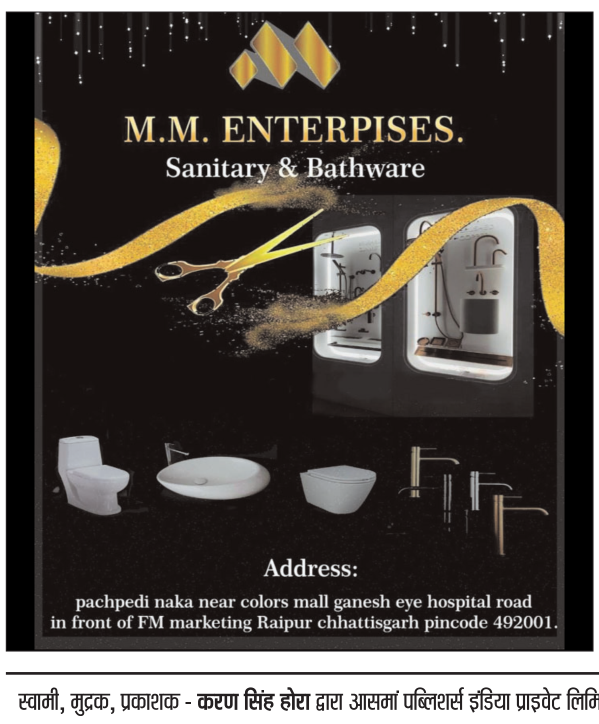

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684